



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 28]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 14, 1973 (आषाढ़ 23, 1895)

No. 28]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 14, 1973 (ASADHA 23, 1895)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली 110011, दिनांक 8 जून 1973

सं० ए० 32014/1/73 प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आर० एल० मदान को राष्ट्रपति द्वारा 23 मई, 1973 से 8 जून, 1973 तक 17 दिन की अवधि के लिए उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/73 प्रशा०-III—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 9 अप्रैल, 1973 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एस० पी० विश्वास को, राष्ट्रपति द्वारा 16 मई 1973 से 30 जून, 1973 तक 46 दिन की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, दोनों में जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/73 प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री पी० डी० श्रीवास्तव को, राष्ट्रपति द्वारा 21 मई, 1973 से 7 जुलाई, 1973 तक 48 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, दोनों में जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/73 प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री सुदर्शन को, राष्ट्रपति द्वारा 18 मई, 1973 से 4 जुलाई, 1973 तक 48 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, दोनों में से जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/73 प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एस० एस० नागर को, राष्ट्रपति द्वारा 21 मई, 1973 से 7 जुलाई, 1973 तक 48 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, दोनों में से जो भी पहले हो उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/73 प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एस० पी० गुप्ता को, राष्ट्रपति द्वारा 21 मई, 1973 से 7 जुलाई, 1973 तक 48 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक दोनों में से जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/73 प्रशा०-III—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 28 अप्रैल, 1973 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री ए० के० गुप्ता को, राष्ट्रपति द्वारा 3 जून, 1973 से 20 जुलाई, 1973 तक 48 दिन की अतिरिक्त अवधि के लिए

(1683)

अथवा अग्रेतर आदेश तक, दोनों में से जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/73-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० भाटिया को, राष्ट्रपति द्वारा 18 मई, 1973 से 4 जुलाई, 1973 तक 48 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक दोनों में जो भी पहले हो उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 25 जून 1973

सं० ए० 32016/7/72-प्रशा०-II—श्री जे० एल० कपूर, अधीक्षक (हालरिथ) जो सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर है उनके स्थान पर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक अधीक्षक (हालरिथ) श्री एस० पी० बंसल की संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 1 जून, 1973 से 5 मितम्बर, 1973 तक अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, सामान्य केन्द्रीय सेवा में राजपत्रित क्लास-II के पद पर स्थानापन्न अधीक्षक (हालरिथ) नियुक्त किया जाता है।

एन० बी० माथुर,
अवर सचिव
(प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 26 जून 1973

सं० 2/19/73-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् श्री के० रा० रामासब्रह्मण्यम, आई० ए० एस० (बिहार), विशेषाधिकारी, केन्द्रीय सतर्कता आयोग, को 25 जून, 1973 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक सचिव, केन्द्रीय सतर्कता आयोग के पद पर नियुक्त करते हैं।

बी० व्ही० दिधे,
अवर सचिव,
कृत केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 22 जून 1973

सं० पी० एफ०/वी०-51/70-प्रशा०-1—केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति पर उत्तर प्रदेश संवर्ग के अधिकारी, श्री बी०

नाथ, भारतीय पुलिस सेवा को, 2 जून, 1973 के पूर्वाह्न से, उप-महानिरीक्षक के कार्यालय के कार्यभार से मुक्त किया गया तथा उनकी नियुक्ति अवर पुलिस उप सहायनिरीक्षक, प्रांतीय सशस्त्र पुलिस लखनऊ उत्तर प्रदेश के रूप में होने पर उन्हें उनके निजी राज्य संवर्ग को प्रत्यावर्तित कर दिया गया।

सं० पी० एफ०/वी०-98/73-प्रशासन-1—पुलिस उप महा-निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, एतद्द्वारा केरल राज्य पुलिस विभाग की प्रतिनियुक्ति पर उप निरीक्षक श्री पी० देवकरण नायर को, दिनांक 1 जून, 1973 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना, कोचीन शाखा में अस्थायी रूप में पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० पी० एफ०/एस०-234/73 प्रशा०-1—उप पुलिस महा-निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, एतद्द्वारा, पश्चिम बंगाल राज्य पुलिस से प्रतिनियुक्त अधिकारी श्री सुकुमार विश्वास को दिनांक 21 मई, 1973 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए अस्थायी रूप से, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, कलकत्ता शाखा के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग में निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 25 जून, 1973

सं० सी०-2/69-प्रशा०-5—राष्ट्रपति, अपने प्रसाद से, मैसूर संवर्ग से प्रतिनियुक्ति पर अधिकारी श्री चन्दु लाल, भारतीय पुलिस सेवा को दिनांक 11 जून, 1973 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो प्रधान कार्यालय में, सहायक निदेशक नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

गृह मंत्रालय

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस महानिदेशालय

नई दिल्ली 110001, दिनांक 27 जून 1973

सं० ओ-397/69 स्थापना—श्री सिडने नून ने अपने मूल संवर्ग, राज्य तमिलनाडु में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप 8 जून, 1973 के अपराह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस की 39 वीं बटालियन में उप-पुलिस अधीक्षक के पद का कार्यभार छोड़ा।

एस० एन० माथुर,
सहायक निदेशक (प्रशा०)

महानिरीक्षक का कार्यालय**केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल**

नई दिल्ली-110003, दिनांक 26 जून 1973

सं० ई० 32015 (2)/14/73-प्रशा०-1—हिन्दुस्तान इंसेक्टिसाइड्स लिमिटेड, नई दिल्ली, के फायर सैफ्टी विभाग तथा सुरक्षा के प्रधान श्री जी० आर० खोसला को दिनांक 22 मई, 1973 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की 17 वीं बटालियन का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

एल० एस० बिष्ट,
महानिरीक्षक

मुख्य बेतन तथा लेखा अधिकारी का कार्यालय

बम्बई, दिनांक 16 जून, 1973

सं० ए०-24013/71/72/बम्बई/प्रशासन- (सम)/1668-77—वार्धक्य आयु पर पहुंचने पर श्री एल० पी० भूटानी, स्थायी बेतन तथा लेखा अधिकारी 2-6-73 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गये।

ह० अपठनीय
मुख्य बेतन तथा लेखा अधिकारी

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग**महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश**

हैदराबाद, दिनांक 18 जून 1973

सं० ई०बी०-आई०/7-4/73-74/93—श्री आर० ए० नारायण राव, लेखा अधिकारी महालेखाकार का कार्यालय, आंध्र प्रदेश II में सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 8-12-72 पूर्वाह्न।

सं० ई० बी०-आई०/7-4/73-74/94—श्री गोविंद राव लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, आंध्र प्रदेश II में सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 19-4-73 पूर्वाह्न।

ह० अपठनीय
वरिष्ठ उप महालेखाकार
(प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार**वाणिज्य, निर्माण तथा विविध**

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1973

सं० प्रशा०-1/2(1)/4—महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण-कार्य तथा विविध, नई दिल्ली को सर्वश्री आर० के० गुप्ता, आर० एल० मिश्रा तथा पी० एन० सानन को वरिष्ठ उप महालेखाकार, वाणिज्य-निर्माण कार्य तथा विविध, बम्बई कार्यालय में क्रमशः दिनांक अप्रैल 30, मई 5, 1973 तथा मई 23, 1973 पूर्वाह्न से अनुभाग अधिकारी से लेखा अधिकारी की स्थापना स्थिति में, अन्य आदेश जारी होने तक पदोन्नत करने में प्रसन्नता है।

ह० अपठनीय
उप महालेखाकार

महालेखाकार का कार्यालय, महाराष्ट्र

बम्बई, दिनांक 26 जून 1973

सं० एडमिन-आई०/आई० ए० डी०/31/बोल II—महालेखाकार, महाराष्ट्र-I अधीन लेखा सेवा के सदस्य श्री ए० बी० देव को दिनांक 14-6-73 पूर्वाह्न से अपने कार्यालय में, आगे आदेश होने तक, लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० एडमिन-आई०/आई० ए० डी०/31/बोल II—महालेखाकार, महाराष्ट्र-I अधीन लेखा, सेवा के सदस्य श्री आर० सी० सुपेकर को दिनांक 20-6-73 पूर्वाह्न से अपने कार्यालय में, आगे आदेश होने तक, लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

वि० एन० रामाराव,
जेष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

मुख्य लेखा परीक्षक**उत्तर रेलवे**

नई दिल्ली-1, दिनांक 23 जून 1973

सं० प्रशासन/17-14/72—अधीनस्थ रेलवे लेखा परीक्षा सेवा के स्थायी सदस्य श्री विश्वनाथ सिंह, अनुभाग अधिकारी को उप-आयुक्त, तुमनेसांग के कार्यालय से वापस आने पर, आगामी आदेश तक, दिनांक 16 जून, 1973 पूर्वाह्न से लेखा परीक्षा कार्यालय उत्तर रेलवे, नई दिल्ली में लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में स्थानापन्न तौर पर पदोन्नत किया गया है और मण्डल लेखा परीक्षा-अधिकारी के रूप में मण्डल लेखा परीक्षा कार्यालय बीकानेर में नियुक्त किया गया है।

गुरु ब्रह्म सिंह,
मुख्य लेखा परीक्षक
उत्तर रेलवे

**भ्रम एवं पुनर्वास मंत्रालय
(भ्रम एवं रोजगार विभाग)****भ्रम ब्यूरो**

शिमला, दिनांक 10 जुलाई 1973

सं० 23/3/73-सी० पी० आई०—मई, 1973 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार 1969=100) 228 (दो सौ अठ्ठाईस) रहा मई, 1973 माह का 1949 आधार वर्ष पर अनुमानित सूचकांक 277 (दो सौ सत्तर) आता है।

के० के० भाटिया,
निदेशक

रक्षा लेखा विभाग**कार्यालय रक्षा लेखा महानियंत्रक**

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1973

सं० 23012 (i)/73/प्रशा०-ए०—रक्षा लेखा महानियंत्रक निम्नलिखित स्थायी लेखाकारों को प्रत्येक के नाम के

सामने लिखी तारीख के पूर्वाह्न से लेखा अधिकारी के पद पर मूल पदधारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 मई 1973

क्रम सं०	नाम	संगठन जिसमें सेवारत हैं	प्रभावी तारीख
1.	श्री आर० वाश्याम	रक्षा लेखा नियंत्रक (मध्य कमान) मेरठ	1-4-1973 पूर्वाह्न
2.	श्री डी० रामापति	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	1-4-1973 पूर्वाह्न
3.	श्री डी० पी० गाजरी	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून	1-4-1973 पूर्वाह्न
4.	श्री एम० वामोदरन	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून	4-4-1973 पूर्वाह्न
5.	श्री एस० रंगाराजन	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून	5-4-1973 पूर्वाह्न
6.	श्री पी० डी० बहल	रक्षा लेखा नियंत्रक (प० कमान) मेरठ	14-4-1973 पूर्वाह्न
7.	श्री निरंजन लाल	रक्षा लेखा नियंत्रक (मध्य कमान) मेरठ	28-4-1973 पूर्वाह्न
8.	श्री जीत नारायण बस्स	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक (निधि) मेरठ	5-5-1973 पूर्वाह्न
9.	श्री डी० रामामूर्ति	रक्षा लेखा नियंत्रक (मध्य कमान) मेरठ	9-5-1973 पूर्वाह्न
10.	श्री एस० एम० राज पाठक	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पूना	13-5-1973 पूर्वाह्न
11.	श्री कुर्गा दास नायर	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणी) उत्तर मेरठ	14-5-1973 पूर्वाह्न
12.	श्री सुदर्शन सरीन	रक्षा लेखा नियंत्रक (प० कमान) मेरठ	20-5-1973 पूर्वाह्न

दिनांक 25 जून 1973

सं० 3253/प्रशा०II:—परमाणु ऊर्जा विभाग बम्बई में प्रतिनियुक्ति से परावर्तन पर श्री आर० भक्तवत्सलू, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारी, रक्षा लेखा विभाग में प्रपत्र नफ़री पर 2 अप्रैल, 1973 के अपराह्न से ले लिये गये थे और वार्धक्य निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर 3 अप्रैल, 1973 के पूर्वाह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिए गये हैं।

श्री भक्तवत्सलू को 120 दिन अर्थात् 3-4-1973 से 31-7-1973 तक की अस्वीकृत छुट्टी मंजूर की गयी है।

एस० के० सुन्दरम्,
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

सं० 2/35/60-एस०-दो—श्री बी० सेन गुप्त, प्रशासनिक अधिकारी के आकाशवाणी महानिदेशालय में अवकाश रिक्ति पर लेखा निरीक्षक के रूप में नियुक्त हो जाने पर महानिदेशक, आकाशवाणी उनके स्थान पर श्री सीता राम, लेखाकार, समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली को दिनांक 3-5-1973 (दोपहर पूर्व) से प्रशासनिक अधिकारी, आकाशवाणी, नई दिल्ली, के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

इन्द्र सेना पाँधी,
अनुभाग अधिकारी
कूते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1973

सं० ए०-20011/13/70-एस० पांच:—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री बलबीर सिंह जैन को, जो कि केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड चार के स्थायी अधिकारी हैं और जो आकाशवाणी महानिदेशालय में स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे हैं, 21 मई, 1973 से अग्रेतर आदेश होने तक, अवर विश्लेषक (जूनियर अनैलिस्ट) के संवर्ग-बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति (डेप्युटेशन) के आधार पर नियुक्त करते हैं।

नन्द किशोर भारद्वाज,
प्रशासन उपनिदेशक
कूते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 जून 1973

सं० 1-8/73-सी०जी० एच० एस०-1:—डा० बी० सी० जोशी ने अपने त्याग पत्र की स्वीकृति के फलस्वरूप 26 दिसम्बर, 1972 के अपराह्न में केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

इन्द्र देव बहल,
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 25 जून 1973

सं० 11-2/73-एडमिन-I:—राष्ट्रपति जी ने केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री जी० पंचापकेशन को निम्नलिखित अवधियों के लिये अथवा किसी नियमित अधिकारी की नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रथम ग्रेड में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है:—

(1) पहली मई, 1973 पूर्वाह्न से 19 जून, 1973 अपराह्न तक।

(2) 21 जून, 1973 पूर्वाह्न से 30 जून, 1973 अपराह्न तक।

राष्ट्रपति जी ने श्री जी० पंचापकेशन को उपर्युक्त अवधियों के लिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप निदेशक (प्रशासन) के रूप में भी नियुक्त किया है।

दिनांक 27 जून 1973

सं० 10-7/70-एडमिन-I—श्री टी० बी० मेथ्यु ने कृषि मंत्रालय के अन्तर्गत विपणन और निरीक्षण निदेशालय में प्रयोगशाला-निदेशक के पद पर अपनी नियुक्ति के फलस्वरूप 12 जून, 1973 पूर्वाह्न से केन्द्रीय खाद्य प्रयोगशाला, कलकत्ता में मुख्य तकनीकी अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० 4-8/73-एडमिन-I—श्री आर० जे० अग्निहोत्री ने भारतीय आयुर्विज्ञान और होम्योपैथी की केन्द्रीय अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली में अनुसंधान अधिकारी के पद पर अपनी नियुक्ति होने के फलस्वरूप 24 मई, 1973 अपराह्न को इस महानिदेशालय के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में आयुर्वेदिक चिकित्सक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

राजेन्द्र नारायण सक्सेना,
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 25 जून 1973

सं० 48-21/73-सी० एच० एस०-1—स्वास्थ्य-सेवा महानिदेशक एतद्द्वारा डा० आर० अय्यस्वामी को पहली जून, 1973 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में चिकित्सा अधिकारी (स्वास्थ्य प्रशिक्षण, ग्रामीण स्वास्थ्य केन्द्र) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 जून 1973

सं० 29-11/73-सी० एच० एस०-1—स्वास्थ्य-सेवा महानिदेशक एतद्द्वारा डा० ज्ञान अरोड़ा को 31 मई, 1973 अपराह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० एक० 48-18/73-सी० एच० एस०-1—स्वास्थ्य-सेवा महानिदेशक एतद्द्वारा डा० आर० नारायणन् को 21 मई, 1973 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान, संस्थान, पांडिचेरी में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (प्रास्पेसब) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

जी० पंचापकेशन,
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक, 2 जून 1973

सं० 41-41/73-डी०—श्री के० एस० ज्यॉर्ज ने 2 मई, 1973 पूर्वाह्न से केन्द्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन, नार्थ जोन, गाजियाबाद में औषध निरीक्षक के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

राष्ट्रपति जी ने श्री के० एस० ज्यॉर्ज को 2 मई, 1973 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय औषध मानक नियंत्रक संगठन, नार्थ जोन, गाजियाबाद में सहायक औषध नियंत्रक (भारत) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

पी० एस० रामचन्द्रन,
औषध नियंत्रक (भारत),
कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक 22 जून 1973

सं० प्र०-6/247 (103)—बी० पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के अधीन स्थायी निरीक्षण निदेशक कलकत्ता, श्री हरनाम सिंह का 26-8-72 को देहान्त हो गया।

विद्या सागर,
उप निदेशक (प्रशासन)

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1973

सं० प्र०-1/1(939)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा उप महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान कलकत्ता के कार्यालय में अवर क्षेत्र अधिकारी (प्रगति) श्री ए० के० गुप्त को दिनांक 5-6-1973 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक महानिदेशालय पूर्ति तथा निपटान, नई दिल्ली में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री गुप्त की सहायक निवेशक (ग्रेड-V) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर और उच्च न्यायालय दिल्ली में श्री एम० कुपुस्वामी द्वारा दायर दीवानी याचिका सं० 739/72 के निर्णय के अधीन होगी।

त० वे० अनन्तनारायणन,
उप निदेशक (प्रशासन),
कृते महानिदेशक,
पूर्ति तथा निपटान,

कृषि मंत्रालय

(कृषि विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1973

सं० 2(2)/72-सि० (प्रथम)—इस निदेशालय की इसी संख्या की दिनांक 21-8-72 की अधिसूचना के अनुसार दिनांक

21-8-72 से तदर्थ रूप से स्थानापन्न श्री आर० बी० कामले वाणिज्यक कलाकार, श्रेणी द्वितीय (राजपत्रित) (अलिपिक वर्गीय) की दिनांक 30 अप्रैल, 1973 के अपराह्न से कलाकार (वरिष्ठ कोटि) के पद पर पदोन्नति कर दी गयी है।

निर्मलकुमार दत्त,
प्रशासन निदेशक

कलकत्ता-13, दिनांक 26 जून 1973

सं० 2222 (सी० पी०एस० पी०) 19ए—श्री सी० पी० एस० परिहार को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 350/-रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900/-रु० के वेतनमान में अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश आने तक, 21-4-1973 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया गया है।

एम० एस० बालसुन्दरम,
महानिदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

स्थापना

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1973

सं० 6/231/54-प्रशा०(जी०)—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग-1 के स्थायी अधिकारी श्री एस० आर० मिनोचा के उपर्युक्त सेवा की प्रवरण कोटि में 1 अप्रैल, 1973 से आगामी 3 मास की अवधि के लिए स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

राष्ट्रपति उपर्युक्त अवधि के लिए श्री एस० आर० मिनोचा को मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में संयुक्त मुख्य नियंत्रक (केन्द्रीय सचिवालय सेवा) के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

एस० जी० बोस मल्लिक,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

भारतीय खनि विभाग

नागपुर, दिनांक 20 जून 1973

सं० ए०-19011/(49)/70-सि० ए०—राष्ट्रपति, श्री एम० पी० कुसुम को 25 नवम्बर, 1972 के पूर्वाह्न से भारतीय खनि विभाग में स्थानापन्न रूप में उप खनि-नियंत्रक के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एस० बालगोपाल,
कार्यालय-अध्यक्ष,
कृते नियंत्रक

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-13, दिनांक 22 जून 1973

सं० 264 (23/9)/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) श्री मदन शर्मा को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900/-रु० के वेतनमान में तदर्थ आधार पर, अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश आने तक, 2-2-1973 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

एम० के० राय चौधरी,
महानिदेशक

निर्माण और आवास मंत्रालय

सम्पदा निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1973

सं० 2018-प्रशान 'ख'—विधि मंत्रालय (विधि कार्य विभाग) के अधीक्षक (विधि) श्री इच्छर सिंह ने, जो सम्पदा निदेशालय में समवर्ती सम्पदा सहायक निदेशक (मुकदमा) के पद पर कार्य कर रहे थे, दिनांक 14 मई, 1973 की पूर्वाह्न में उक्त पद छोड़ दिया है।

2. श्री बी० पी० अग्रवाल, अधीक्षक (विधि) को सम्पदा निदेशालय, निर्माण और आवास मंत्रालय में दिनांक 14 मई, 1973 की पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक समवर्ती सम्पदा सहायक निदेशक (मुकदमा) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

राम लुभाया अहलूवालिया,
सम्पदा उप निदेशक (प्रशा०)

केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग

(जल स्कन्ध)

नई दिल्ली-22, दिनांक 26 जून 1973

सं० क-19012/326/72-प्रशासन-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग अपने प्रसाद मे श्री जे० जी० दीक्षित को संघ लोक सेवा आयोग द्वारा चयन किए जाने के फलस्वरूप केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल स्कन्ध) में 350-25-500-30-590-द० रो० -30-800-द० रो० 30-830-35-900 रुपये के वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर दिनांक 29-5-73 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश नहीं होते, नियुक्त करते हैं।

2. श्री जे० जी० दीक्षित उपरोक्त तारीख तथा समय से दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षाधीन रहेंगे।

के० पी० बी० मेनन

अवर सचिव,

केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 16 जून, 1973

सं० क-19012/355/72-प्रशासन-5—इस आयोग की अधि-सूचना संख्या क-19012/355/72-प्रशासन-5, दिनांक 17-2-73 के क्रम में अध्यक्ष केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग एतद्वारा श्री एस० डब्ल्यू० शर्मा को सहायक अनुसंधान अधिकारी (रसायन) की कोटि में केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल स्कन्ध) में 350-25-500-30-590-द० रो० -30-800-द० रो० -30-830-35-900 रुपये के वेतनमान में पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में 27-4-73 से पुनः तीन माह की अवधि के लिए अथवा जब संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित व्यक्ति कार्यभार संभाल ले, इनमें जो भी पूर्व हो, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 जून 1973

सं० क-19012/406/73-प्रशासन-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग एतद्वारा श्री एस० एम० शुजाउद्दीन, अस्थायी पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के रूप में स्थानापन्न होने के लिए पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं। उन्हें 25-4-73 (पूर्वाह्न) से जब तक आगे आदेश नहीं होते तदर्थ रूप में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के रूप में नियुक्त किये जाने पर पर्यवेक्षक के पद का अपना ग्रेड वेतन तथा दस प्रतिशत भत्ता प्राप्त करने का अधिकार होगा।

श्री एस० एम० शुजाउद्दीन ने उपरोक्त तारीख तथा समय से केन्द्रीय बाढ़ पूर्वानुमान नियंत्रण कक्ष, होशंगाबाद (म० प्र०) में सहायक इंजीनियर के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सं० क-19012/408/73-प्रशा०-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग एतद्वारा श्री ए० के० गुहा, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल स्कन्ध) में अतिरिक्त सहायक

निदेशक/सहायक अभियंता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पदक्रम में 350-25-500-30-590-द० रो० -30-800-द० रो० -30-830-35-900 रुपये के वेतनमान में दिनांक 23 मई, 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री गुहा ने उपर्युक्त तिथि तथा समय से केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल स्कन्ध) में अतिरिक्त सहायक निदेशक का कार्य-भार ग्रहण कर लिया है।

के० पी० बी० मेनन

अवर सचिव

के० अध्यक्ष,

केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

एन० एच०-4 फरीदाबाद, दिनांक 22 जून 1973

सं० 3-287/73-ईस्टी-II—श्री धरमापुरम सन्जीभा कृष्णा राव को दिनांक 16-4-1973 (पूर्वाह्न) से सहायक जल भू-विज्ञानी वर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड में उनके मुख्यालय अहमदाबाद के साथ वेतनमान 350-25-500-30-590-ई० बी० -30-800-ई० बी० -30-830-35-900 के अन्तर्गत अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 23 जून 1973

सं० 3/289/73-ईस्टी-II—श्री शशि कान्त मनोहर मैन्धेकर को दिनांक 13-4-73 (पूर्वाह्न) से सहायक जल भू-विज्ञानी वर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड में उन के मुख्यालय अहमदाबाद के साथ वेतनमान 350-25-500-30-590-ई० बी० -30-800-ई० बी० -30-830-35-900 के अन्तर्गत अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

देवता पाण्डेय,

अधीक्षक अभियंता

पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय**भारत मौसम विज्ञान विभाग**

नई दिल्ली-3, दिनांक 20 जून 1973

सं० ई०(1)04228—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्वारा निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के अधीन मौसम कार्यालय, पटना के श्री एच० एन० जोरदार, व्यवसायिक सहायक को 3-5-73 के पूर्वाह्न से 28-7-73 तक सत्तासी दिनों की अवधि के लिये स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री एच० एन० जोरदार, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के अधीन मौसम कार्यालय, पटना में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 06513—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्द्वारा निदेशक, उपकरण, पूना के कार्यालय के डा० बी० एस० तिवारी, व्यवसायिक सहायक को 3-5-1973 के पूर्वाह्न से 28-7-1973 तक सत्तासी दिनों की अवधि के लिये स्थानापन्न के रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

डा० बी० एस० तिवारी, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ निदेशक, उपकरण, पूना के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 03954—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्द्वारा निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के कार्यालय के श्री एन० बी० सिराली, व्यवसायिक सहायक को 3-5-1973 के पूर्वाह्न से 28-7-1973 तक सत्तासी दिनों की अवधि के लिये स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री एन० बी० सिराली, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 06524—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्द्वारा वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली के श्री एस० सेनापती, व्यवसायिक सहायक को 19-5-73 के पूर्वाह्न से 28-7-1973 तक इकहत्तर दिनों की अवधि के लिये स्थानापन्न के रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री सेनापती, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ को दिनांक 19-5-1973 के पूर्वाह्न से निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में स्थानान्तरण कर दिया गया है।

सं० ई० (1) 06804—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्द्वारा निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के अधीन राज्य मौसम केन्द्र, गोहाटी के श्री ए० के० सेन गुप्ता, व्यवसायिक सहायक को 3-5-1973 के पूर्वाह्न से 28-7-1973 तक सत्तासी दिनों की अवधि के लिये स्थानापन्न के रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री ए० के० सेन गुप्ता, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के अधीन राज्य मौसम केन्द्र, गोहाटी में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 22 जून 1973

सं० ई० (1) 03897—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्द्वारा निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के अधीन राज्य मौसम केन्द्र, हैदराबाद के श्री एन० सूर्यनारायण, व्यवसायिक सहायक को 3 मई, 1973 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न के रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री एन० सूर्यनारायण, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के अधीन राज्य मौसम केन्द्र, हैदराबाद में ही तैनात रहेंगे।

सी० जी० बालासुब्रह्मनियन,
मौसम विशेषज्ञ,
वेधशालाओं के महानिदेशक

कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 8 जून 1973

सं० ए०-35018/2/73-ई०एच०—महानिदेशक नागर विमानन ने रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना), देहरादून के श्री बी० एल० बवेजा, स्थानापन्न लेखा अधिकारी (0-10 बी) को तारीख 30-5-1973 से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग नई दिल्ली के मुख्यालय में रु० 590-30-830-35-900 के वेतनमान में प्रतिनियुक्ति पर लेखा अधिकारी (लागत) के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 23 जून 1973

सं० ए०-32013/7/72—ई०एच०—राष्ट्रपति ने श्री के० बी० शेटी, नियंत्रक, वैमानिक निरीक्षण, नई दिल्ली को 15 जून, 1973 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप में नई दिल्ली में क्षेत्रीय निदेशक के पद पर नियुक्त किया है।

सुरजीत लाल खण्डपुर,
सहायक निदेशक प्रशासन,
वेधशालाओं के महानिदेशक नागर विमानन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 23 जून 1973

सं० 1/111/73-स्था०—विदेश संचार सेवा की मद्रास शाखा के स्थायी पर्यवेक्षक, श्री एस० रामचन्द्रन को 19 अप्रैल, 1973 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक विदेश संचार सेवा की नई दिल्ली शाखा में स्थानापन्न रूप से परियात प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया जाता है।

पु० ग० दामले महानिदेशक

बम्बई, दिनांक 26 जून 1973

सं० 1/311/73-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा बम्बई शाखा के स्थायी सहायक पर्यवेक्षक, श्री ए० एस० पाएस को एक अल्पकालिक रिक्त स्थान के विपरीत 1 मई, 1973 से लेकर 9 जून, 1973 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में, स्थानापन्न रूप से पर्यवेक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 1/314-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक, एतद्द्वारा नई दिल्ली शाखा के स्थानापन्न तकनीकी सहायक, श्री आर० सी० गुप्ता को 24 मर्च, 1973 से लेकर 11 मई, 1973 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता के पद पर नियुक्त करते हैं।

एम० एस० कृष्णस्वामी,
प्रशासन अधिकारी,
वेधशालाओं के महानिदेशक

**रेल मंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)**

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून, 1973

सं० 73/इल्यू० 4/सी० ओ० एन० एल०/एस० सी०/1:—
सर्व साधारण के सूचनार्थ एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) ने मनगाड-परमानो-पुरलो वैजनाड 354 कि० मी० लम्बी लाइन को बड़ी लाइन में बदलने के लिए प्रारम्भिक इंजीनियरी और यातायात सर्वेक्षण की स्वीकृति दे दी है। सर्वेक्षण दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा किया जा रहा है।

एच० एफ० पिन्टो,
सचिव, रेलवे बोर्ड

**उत्तर रेलवे
प्रधान कार्यालय**

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1973

सं० 726-ई 629 (ई०/ए०)—उत्तर रेलवे के निम्न-लिखित सहायक इंजीनियर (दर्ज-II) प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से रेल सेवा से अन्तिम रूप से सेवा निवृत्त हो गए हैं :—

- | | |
|----------------------|-----------------------------------|
| 1. श्री मान मल | 21-4-73 अपराह्न |
| 2. श्री के० एन मैहरा | 13-5-73 अपराह्न |
| | सी० एस० परमेश्वरन,
महाप्रबन्धक |

चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना, चित्तरंजन

चित्तरंजन, दिनांक 21 जून 1973

सं० जी० एम० ए०/जी० एस०/8(इलेक०)—चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना, चित्तरंजन के स्थानापन्न सहायक विद्युत इंजीनियर श्री जी० कुदसिया (संप्रति प्रवर वेतनमान में स्थानापन्न प्रवर विद्युत इंजीनियर/अभिकल्प-II) को चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना, चित्तरंजन के विद्युत इंजीनियर विभाग के संवर्ग में द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक विद्युत इंजीनियर के रूप में तारीख 24-5-1965 (पूर्वाह्न) से स्थायी किया जाता है।

अमृत लाल कोशर
महाप्रबन्धक

**केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क समाहरतालय
कलकत्ता, दिनांक 8 जून 1973**

सं० 23—अधीक्षक वर्ग द्वितीय में पदोन्नत होकर श्री अशोक कु० सेन ने दिनांक 14-5-73 के अपराह्न में कूच-बिहार केन्द्रीय उत्पादनशुल्क प्रमण्डल के अधीक्षक एल० आर० का कार्यभार ग्रहण किया।

सं० 24—अधीक्षक वर्ग द्वितीय में पदोन्नत होकर श्री सत्यव्रत सोम ने दिनांक 11-5-73 के पूर्वाह्न में अधीक्षक एल० आर० (मुख्यालय) का कार्यभार ग्रहण किया और वे केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क, पश्चिम बंग (सीमाशुल्क तक०) में संलग्न रहे।

2-146GI/73

सं० 25—प्रशासन अधिकारी की श्रेणी में पदोन्नत होकर श्री सुनील च० सेन ने श्री एम० एल० चौधरी, अधीक्षक वर्ग द्वितीय को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करते हुए दिनांक 23-5-73 के पूर्वाह्न में चंदन नगर केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रमण्डल में प्रशासन-अधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया।

सं० 26—प्रशासन अधिकारी की श्रेणी में पदोन्नत होकर श्री सुबोध कु० दासगुप्त ने श्री जे० के० विश्वास, जिनका स्थानान्तरण कलकत्ता और उड़ीसा में हुआ, के स्थान दिनांक 30-5-73 के पूर्वाह्न में वर्द्धमान केन्द्रीय उत्पादनशुल्क प्रमण्डल में प्रशासन-अधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया।

सं० 27—कलकत्ता और उड़ीसा समाहरतालय से स्थानान्तरित होकर श्री अरुण कुमार चक्रवर्ती, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादनशुल्क वर्ग द्वितीय ने अधीक्षक (त०) सिलीगुड़ी केन्द्रीय उत्पादनशुल्क प्रमण्डल का कार्यभार दिनांक 18-5-73 के पूर्वाह्न से ग्रहण किया तथा श्री एस० के० मित्रा, अधीक्षक को अतिरिक्त कार्यभार से दिनांक 23-5-73 के पूर्वाह्न में मुक्त किया।

सं० 28—कलकत्ता और उड़ीसा समाहरतालय से स्थानान्तरित होकर श्री प्रफुल्ल चंद्र बर्मन, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादनशुल्क द्वितीय वर्ग ने श्री के० एस० वत्त, अधीक्षक वर्ग द्वितीय को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करते हुए दिनांक 2-5-73 के पूर्वाह्न में सिलीगुड़ी केन्द्रीय उत्पादनशुल्क प्रमण्डल में अधीक्षक (प्रिवे०) का कार्यभार ग्रहण किया।

सं० 29—कलकत्ता और उड़ीसा समाहरतालय से स्थानान्तरित होकर श्री नरेश च० राय चौधरी, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादनशुल्क, द्वितीय वर्ग ने श्री एस० एल० चौधरी, अधीक्षक वर्ग द्वितीय, जिनका स्थानान्तरण आसनसोल रेंज हुआ, के स्थान दिनांक 28-5-73 के पूर्वाह्न में वर्तमान केन्द्रीय उत्पादनशुल्क प्रमण्डल के अन्तर्गत वर्णपुर, निर्धारण सह-निरीक्षण ईकाई का कार्यभार ग्रहण किया।

सं० 30—प्रशासन-अधिकारी की श्रेणी में पदोन्नत होकर और कलकत्ता और उड़ीसा समाहरतालय से पश्चिम बंग में स्थानान्तरित होकर श्री ज्योतिर्मय मुखर्जी ने श्री अरविंद घोष, अधीक्षक वर्ग द्वितीय जिनका स्थानान्तरण कृष्णनगर सीमाशुल्क प्रमण्डल में हुआ, के स्थान पर दिनांक 30-5-73 के पूर्वाह्न में जलपाईगुड़ी केन्द्रीय उत्पादनशुल्क प्रमण्डल में प्रशासन-अधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया।

सं० 31—अधीक्षक वर्ग द्वितीय में पदोन्नत होकर श्री विनय रंजन मुखर्जी ने श्री के० पी० दास, अधीक्षक द्वितीय श्रेणी, जिनका स्थानान्तरण कलकत्ता सीमाशुल्क प्रमण्डल में हुआ, के स्थान दिनांक 30-5-73 के पूर्वाह्न में सिलीगुड़ी केन्द्रीय उत्पादनशुल्क प्रमण्डल के अन्तर्गत कसियांग रेंज का कार्यभार ग्रहण किया।

एन० एन० रायचौधरी,
समाहर्ता,
केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क,
पश्चिम बंग, कलकत्ता

इलाहाबाद, दिनांक 21 जून 1973

सं० 59/1973—श्री जे० के० गोस्वामी, स्थानापन्न निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, (चयन ग्रेड), ने जो केन्द्रीय उत्पादन शुल्क मण्डल, वाराणसी में तैनात थे और जिनकी नियुक्ति (इस कार्यालय के पत्र सं० 11(3)/132/स्थापना/73 दिनांक 10-5-1973 के अधीन जारी किए गए स्थापना आदेश सं० 64/1973 दिनांक 10-5-1973 के अनुसार) रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 के वेतनमान में की गई है, 11-5-1973 के पूर्वाह्न में केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहृतिय के मुख्यालय में अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी II के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 22 जून 1973

सं० 60—श्री ओ० पी० खरे ने जो केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहृतिय के स्थायी निरीक्षक (सेलेक्शन ग्रेड) थे तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहृतिय के मुख्यालय, इलाहाबाद में तैनात थे और जिनकी नियुक्ति (इस कार्यालय के पत्र सं० 11(3) 132-स्था०/73/7900-22 दिनांक 14-5-1973 के अधीन जारी किए गए स्थापना आदेश सं० 97/1973 दिनांक 14-5-1973 के अनुसार) आगामी आदेश होने तक के लिए रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 के वेतनमान में स्थापनापन्न रूप में अधीक्षक श्रेणी II के पद पर की गई है, 1-6-1973 (पूर्वाह्न) को श्री आर० आर० भारद्वाज, अधीक्षक श्रेणी II को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करते हुए केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, मंडल कार्यालय, रामपुर में अधीक्षक (तकनीकी) के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० 61—श्री ए० यू० हैदर ने जो केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के स्थायी निरीक्षक (सेलेक्शन ग्रेड) थे तथा सीमाशुल्क निवारक मंडल, गोरखपुर के अन्तर्गत सीमाशुल्क कार्यालय वाराणसी में तैनात थे और जिनकी नियुक्ति (इस कार्यालय के पत्र सं० 11(3) 132-स्था०/73/7900-22 दिनांक 14-5-1973 के अन्तर्गत जारी किए गए स्थापना आदेश सं० 67/1973 दिनांक 14-5-1973 के अनुसार) आगामी आदेश होने तक के लिए रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो० 30-830-35-900 के वेतनमान में स्थापनापन्न रूप से अधीक्षक श्रेणी के पद पर की गई है, 2-6-1973 (पूर्वाह्न) को, श्री पी० एन० खन्ना अधीक्षक श्रेणी II को, जिनका तबादला हो गया है, कार्यभार से मुक्त करते हुए सीमाशुल्क निवारक मण्डल, लखनऊ के अन्तर्गत अधीक्षक, सीमाशुल्क लखीमपुर खीरी के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया।

एम० बी० एन० राव,
समाहृती,
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, इलाहाबाद

रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज

कम्पनी अधिनियम 1956 और ईस्टबेंगल ट्रेडर्स लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 20 जून 1973

सं० 19980/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ईस्टबेंगल ट्रेडर्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ईस्टर्न इलेक्ट्रिकल एण्ड हार्डवेयर मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

दिनांक 20 जून 1973

सं० 2/835/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ईस्टर्न इलेक्ट्रिकल एण्ड हार्डवेयर मैन्युफैक्चरिंग कं० प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेनडस् ड्रम प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 20 जून 1973

सं० 24414/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेनडस् ड्रम प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कैलाश टेक्सटाइल इण्डस्ट्रीज लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 20 जून 1973

सं० 26109/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कैलाश टेक्सटाइल इण्डस्ट्रीज लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और विकट्री एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 20 जून 1973

सं० 26546/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि विकट्री एक्सपोर्ट इम्पोर्ट प्राइवेट लिमि-

टेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नवग्राम डेवलपमेंट के प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 20 जून 1973

सं० 27330/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि नवग्राम डेवलपमेंट क० प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

के० जी० अनन्तकृष्णन्,
नडीशनल कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,
पश्चिम बंगाल।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं कामन वेल्थ कंस्ट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 22 जून 1973

सं० 14953/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कामनवेल्थ कंस्ट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं एयूराके बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 22 जून 1973

सं० 14954/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एयूराके बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं क्वालिटो कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 22 जून 1973

सं० 14965/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर क्वालिटो कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से

काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं नटराज कंस्ट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 22 जून 1973

सं० 14966/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नटराज कंस्ट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं स्टाईलिश स्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 22 जून 1973

सं० 14767/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर स्टाईलिश स्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० नारायणन्,
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार,
महाराष्ट्र।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एसोसिएट जनरल मरचेन्टाईस कारपोरेशन आफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिल्ली, दिनांक 23 जून 1973

सं० 2825/118—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि एसोसिएट जनरल मरचेन्टाईस कारपोरेशन आफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

रा० मु० जैन,
सहायक रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज,
दिल्ली।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और गोल्डन बस सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 26 जून 1973

सं० 4853/560/पी० सी० iv/73—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में

एतद्वारा सूचना दी जाती है कि गोल्डन बस सर्विस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री कला निधि लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 26 जून 1973

सं० 5204/पी० सी० iv/73—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री कला निधि लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० अन्नपूरणा,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
मद्रास।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और स्टर्लींग मेटल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 26 जून 1973

सं० 560/988—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर स्टर्लींग मेटल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

श्री० वाय० राणे,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
गुजरात।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पौदार गेट्स रबड़ इन्डस्ट्रीज लिमिटेड के विषय में।

जयपुर, दिनांक 27 जून 1973

सं० 560/साखी—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पौदार गेट्स रबड़ इन्डस्ट्रीज लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

प्रभू शंकर माथूर,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
राजस्थान, जयपुर।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जानकीदास प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

चण्डीगढ़, दिनांक

1973

सं० जी०/स्टे०/560/1611—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जानकी दास प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ह० अपठनीय
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
पंजाब, हिमाचल प्रदेश व चण्डीगढ़।

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण का कार्यालय

प्ररूप आई०टी०एन०एस०

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख 30 जून, 1973

निदेश सं०सी०एम०डी०/25/72-73—यतः,—मुझे श्री जे०पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी बूथ नं० 2, सेक्टर 15-सी है, जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जनवरी, 1973 को पूर्वाञ्चित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती ताजवन्त कौर पत्नी हरदत्त (अन्तरक) सिंह, 65, सैक्टर 11-ए०, चन्डीगढ़
- (2) श्री सुरजीत सिंह पुत्र श्री बलवन्त सिंह, (अन्तरिती) 9-एम०/15 सैक्टर 24-डी०, चन्डीगढ़।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किये गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची
वृथ नं० 2
सैक्टर 15-सी०
चन्डीगढ़।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चन्डीगढ़।

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज

चन्डीगढ़

दिनांक 30 जून, 1973

निदेश सं० सी० एच० डी०/26/72-73—यतः, मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, चन्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस० सी० ओ०-73 सैक्टर 30 है, जो चन्डीगढ़ में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जनवरी, 1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री परीतम सिंह पुत्र पाला सिंह, (अन्तरक) परीय सुरजीत इन्डस्ट्रीज 118 दन्डस्ट्रियल एरिया, चन्डीगढ़।
- (2) श्री अत्तर सिंह पुत्र भगत राम गांव (अन्तरिती), मिर्जापुर, पटियाला।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप, किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० ओ० न०-73

सेक्टर 30,

चन्डीगढ़।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चन्डीगढ़।

तारीख : 30-6-73

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज,

चन्डीगढ़

दिनांक 30 जून, 1973

निदेश सं० सी० एच० डी०/29/72-73—यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, चन्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी

सं० 258 इन्डस्ट्रियल एरिया है, जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जनवरी 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सोम नाथ पुत्र छजू राम बेचने (अन्तरक)

वाला एम०/एस०शिव गणेश इन्जी-

नियर वर्कस, मनी माजरा, यू० टी०

चन्डीगढ़।

जनरल अथोरटी मनजीत सिंह पुत्र शिवचरन सिंह

आफ गुरु नानक आटो ट्रेडर्स,

मनीमाजरा, चन्डीगढ़।

(2) श्रीमती कमलजीत कौर लुम्बा पत्नी (अन्तरिती)

मनजीत सिंह, 258 इन्डस्ट्रियल

एरिया, चन्डीगढ़।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना

की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

परायरटी 258

इन्डस्ट्रियल एरिया चन्डीगढ़ में है।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चन्डीगढ़।

तारीख : 30-6-73

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण,
अर्जन रेंज, चन्डीगढ़।

दिनांक 29 जून, 1973

निर्देश सं० सी० एच० डी०/31/72-73—यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 628/36-बी० चन्डीगढ़ है, जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और उससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण

अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जनवरी 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री सोहन लाल, (अन्तरक)
एस०सी०एफ०-34/19-सी०,
चन्डीगढ़।
- (2) श्री चरनसिंह एवं सखनसिंह 1520/22 बी०,
चन्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं०, 628,

सैक्टर 36 बी०, चन्डीगढ़।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चन्डीगढ़।

तारीख : 29-6-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण का कार्यालय,

अर्जन क्षेत्र चन्डीगढ़

दिनांक 30 जून, 1973

निदेश सं० सी० एच० डी०/32/72/73—यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सैक्टर 20-सी चन्डीगढ़ है, जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायवद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जनवरी 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक

(अन्तरकों) को अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित लिए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री हरबन्स लाल गुप्ता मकान नं० 4151, जी० सी० रोड, अम्बाला कैंट (अन्तरक)
- (2) डा० पी० आर० सेठी मकान नं० 3063 सैक्टर 21-डी, चन्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इन्डस्ट्रियल दुकान नं० 1

सैक्टर 20-सी, चन्डीगढ़।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज चन्डीगढ़।

तारीख : 30-6-73।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चन्डीगढ़

तारीख 30 जून 1973

निवेश सं० सी० ए० डी०/36/72-73

यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज, चन्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए को अधिक है और जिसकी सं० एस० सी० एफ०-80, सैक्टर 24-सी, है, जो चन्डीगढ़ में स्थित (और इससे उनावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1 का 16) के अधीन 1908 जनवरी 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922

का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जसवंत ठाकुर,
धर्मपत्नी परम जीत सिंह सैक्टर
23-डी, चन्डीगढ़। (अन्तरक)

(2) श्री गुरबकश सिंह पुत्र श्री
विशन सिंह, 42 सैक्टर 27ए, |
चन्डीगढ़। [(अन्तरिती)]

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० एफ० नं० 80

सैक्टर नं० 24 सी०, चंडीगढ़।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज चंडीगढ़।

तारीख : 30-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज,

चण्डीगढ़ दिनांक 30 जून 1973

निदेश सं० सी० एफ० डी०/37/72-73—यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, चंडीगढ़। आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० एस० सी० ओ० नं० 68, सैक्टर 30-सी, है, जो चंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन जनवरी, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अंतरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री बलवंत सिंह बान्दी (अन्तरक)
- (2) श्री नरंजन सिंह 1161 अनाज (अन्तरिती) मन्डी (देहली)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० ओ० नं० 68,

सैक्टर 30-सी०,

चंडीगढ़।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज चण्डीगढ़।

तारीख : 30-6-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण का कार्यालय, 156/9B,
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख 30-6-73

निर्देश सं० सी०एच०डी०/39/72-73—

यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 2066, गली नं० एच० सैक्टर 21-C है, जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जनवरी 73 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जसमेर कोर पत्नी नछसर सिंह
धार० ओ० 1058 सैक्टर 15-डी० चण्डीगढ़ ।
(अन्तरक)

(2) श्री गुरदयाल सिंह पुत्र गुरदित्त सिंह आर०/ओ०
दामाभाजरा जिला रोपड़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो .—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 2066 ।

गली नं० 'एच०'

सैक्टर 21-सी० चण्डीगढ़ ।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 30-6-73

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़)

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण का कार्यालय, अर्जन
रेंज, चण्डीगढ़

तारीख 29-6-73

निर्देश सं० सी० एच० डी०/46/72-73—

यतः मुझे, श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 22बी० मकान नं० 1589, सैक्टर 22 बी० है, जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 फरवरी 1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) चरण सिंह भल्ला पुत्र श्री सुचिन सिंह
चौडा बाजार लुधियाना (अन्तरक)
- (2) श्री चरनजीतसिंह पुत्र सरदुल सिंह मकान
नं० 523, 20 ए० चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1589, सैक्टर 22-बी० चण्डीगढ़

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज चण्डीगढ़)।

तारीख : 29-6-73

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण का कार्यालय, अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख 29-6-73

निदेश सं० सी० एच०डी०/48/72-73-यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 1367, सैक्टर 22-बी० है, जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 फरवरी 1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान

प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) जोगिन्दर सिंह पुत्र गंगा सिंह 412/22-ए०
चण्डीगढ़ (अन्तरक)
- (2) श्रीमती रेशम रानी पत्नी धर्मवीर कोहली
गांव जमशेर, जिला जलन्धर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपर्युक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है,

आक्षेपों की सुनवाई के समय मुझे जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1367, सैक्टर 22-बी०

चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 29-6-73

मोहर

प्ररूप आई० टी०ए न० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण का कार्यालय,

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख 30-6-73

निदेश सं० सी०एच०डी०/53/72-73-यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण, अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट 565 सैक्टर 36-बी० में है, जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1973 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957

(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री महिन्दर सिंह, गुरचरन सिंह पुत्र
श्री भरुवा सिंह (अन्तरक)
- (2) श्री हरनक सिंह पुत्र करतार सिंह
गांव कुटार लहसील मांग जिला फरीदकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 565, 36-बी० सैक्टर में है चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 30-6-73
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण का कार्यालय,
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़
दिनांक 30-6-73

निदेश सं० सी०एच०डी०/54/72-73-यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण, अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए है और जो अधिक जिसकी सं० आर० पी० नं० 3531, प्लॉट नं०-10 सैक्टर 21-सी है, जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जनवरी 1973 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती प्रकाशवती पत्नी प्रताप सिंह सचदेव
जे०-12/71, रजोरी गार्डन, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री जोरवर सिंह पुत्र श्री आशा सिंह गांव
दादरी डाकखाना गोविन्दगढ़ (पटियाला) (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की
सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 10, 21-सी० सैक्टर चण्डीगढ़ में है।
आर० पी० नं० 3531

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज चण्डीगढ़।

तारीख : 30-6-73
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त अर्जन क्षेत्र,
चण्डीगढ़

चण्डीगढ़ 29 जून 1973

निदेश सं० सी० एच० डी०/61/73-74—यतः मुझे श्री जी०

पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज चण्डीगढ़
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000
रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 6 सैक्टर 10-डी०
है, जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, चण्डी-
गढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 16-2-1973 को पूर्वांचित सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दर्शना अनन्द, सुपुत्र प्रेम चन्द, जगदीश चन्द्र,
सुपुत्र केशा 'वास' सन्तोष कुमार सुपुत्र बस्ती राम
1917 सैक्टर 22-बी चण्डीगढ़। अन्तरक

(2) श्री सत पाल सुपुत्र जगन्नाथ 317, सैक्टर 21ए०,
चण्डीगढ़। अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 6, सैक्टर 10-डी चन्डीगढ़।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज चन्डीगढ़।

दिनांक 29-6-73

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज चन्डीगढ़

चन्डीगढ़, दिनांक 29 जून 1973

निदेश सं० सी० एच० डी०/63/73-74—यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज चन्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसका मकान नं० 2355 सैक्टर 22-सी० है, जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 फरवरी, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वा सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित

उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री भोमकार नाथ पुत्र श्री राजा राम 2355/22-सी० चन्डीगढ़। अन्तरक

(2) श्री बी० एम मेहता पुत्र श्री फतह चन्द्र, सहायक एफ सीज आफिस पंजाब, चन्डीगढ़। अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय

20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2355 22-सी चन्डीगढ़।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज चन्डीगढ़

तारीख 29-6-73

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण का कार्यालय

अर्जन रेंज, चन्डीगढ़

दिनांक 29 जून 1973

निर्देश सं० एल० जी० एन०/163/73-74—यतः मुझे श्री जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बी० बी० II 13/बी०-बी० II/13 चोड़ा बाजार है, जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 फरवरी, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्यारा लाल पुत्र महिता सिंह अमर पुर लुधियाना (अन्तरक)।

(2) (i) डा० प्रीतम लाल पुत्र बिन्दराबन (ii) श्रीमति शांती देवी पत्नी सिबल लाईन लुधियाना (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० बी-VII-13बी-VII-11/13, चोड़ा बाजार लुधियाना में है।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चन्डीगढ़

तारीख : 29-6-73।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण का कार्यालय

अर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक 2 जुलाई 1973

निर्देश सं०.....—यतः मूखे श्री एस० एच० राय आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1)घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और 5.83 एकड़ मुक्त अधिकृत भूमि में से (जो विक्रेताओं की है) 60,000/- स्क्वैर फीट भूमि जिसका खसरा नं० 407/1 मोझा नागपुर महानगर पालिका सं० नं० 4 (महाराष्ट्र राज्य) में स्थित है (और इससे उप-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-1-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मूखे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्ध प्रतिशत अधिक है और यह की अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिय सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) अ-1—श्रीमती हंसाबाई व्यंकटराव गुजर,
- ब-2—श्री तेजसिंहराव व्यंकटराव गुजर। (अन्तरक)

(2) सन हिन्द ईक एण्ड वारनिसेस प्रा० लि० (अन्तरिती)

(3) सन हिन्द ईक एण्ड वारनिसेस प्रा० लि०
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5.83 एकर मुफ्त अधिकृत (फ्रीहोल्ड) भूमि में से 60,000/- स्क्वैर फीट भूमि का टुकड़ा (जो कि विक्रेताओं की है) और जिसका खसरा नं० 407/1 मोझा नागपुर महानगर पालिका सं० नं० 4 तह० और जि० नागपुर जो विक्रेताओं के अपने नाम में है और जिसका भीहद्वी निम्नलिखित है।

दक्षिण में—भूमि विक्रेताओं के अपनी,
उत्तर में—30 फीट आम सड़क
नागपुर सुधार प्रत्यास की,
पश्चिम में—भूमि विक्रेताओं की अपनी
और पूर्व में—30 फीट आम सड़क,
नागपुर सुधार प्रत्यास की।

एस०एस० राय,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज नागपुर

तारीख 3-7-1973

मोहर:

प्ररूप आई०टी०एन० एस०.....

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली ।

तारीख 6 जुलाई, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन्यू० 1/ए०(5)/24(109)/72-73—यतः, मुझे, पी० के० शरण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 493-94 बार्ड नं० 14, है जो बर्तन मार्केट, सदर बाजार, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-1-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1(I) सेठ दुर्गा दास आर० मूधरा सुपुत्र सेठ राम रत्न जी (अन्तरक) मूधरा (II) सेठ बृज रत्न मोहटा सुपुत्र सेठ गिब

रत्न जी मोहटा एवं (III) सेठ सूरज रत्न आर० मोहटा सुपुत्र रामगोपाल जी मोहटा ट्रस्टी आनन्द कुमार मोहटा ट्रस्ट मार्फत मोहटा ब्रदर्स बरतन मार्केट सदर बाजार, दिल्ली ।

(2) मैसर्स महावीर मेटल वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड 477, बर्तन मार्केट, सदर बाजार, दिल्ली-6 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाही शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45

दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया है ।

अनुसूची

पक्का बना हुआ भवन जिसका म्युनिसिपल संख्या 493-94 है और जो बार्ड नं० 14, बर्तन मार्केट, सदर बाजार दिल्ली में है और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित प्रकार से हैं :—

पूर्व :— बर्तन मार्केट, सदर बाजार, दिल्ली

पश्चिम :— दूसरों से संबंधित जायदाद

उत्तर :— दूसरों से संबंधित जायदाद

दक्षिण :— दूसरों से संबंधित जायदाद

पी० के० शरण,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 6 जुलाई, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 8 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

दिनांक 6 जुलाई 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए० क्यू० 1/ए (7) 30 (72) 72-73-
यत मुझे पी० के० शरण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश-
वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 39 है,
जो हरिजन कालोनी, बजीरपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 28-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत अधिक
है और वह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिये सुकर बनाना, और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था,
छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती महाराजी देवी पत्नी श्री हनुमान गिरि निवासी
(अन्तरक) मकान न० 2162, शोरा कोठी, सब्जी
मण्डी, दिल्ली-1

2. श्रीगोरधन दास पुत्र श्री टेक चन्द निवासी (अन्तरिती)
39, हरिजन कालोनी, बजीरपुर, दिल्ली

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजला मकान न० 39, हरिजन कालोनी, बजीरपुर
दिल्ली जो कि 210 वर्ग गज फ्रीहोल्ड भूमि पर बना हुआ है तथा
निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :—

पूर्व :—प्लॉट न० 38

पश्चिम :—प्लॉट न० 40

उत्तर :—सड़क

दक्षिण :—सड़क

(पी० के० शरण)

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 6 जुलाई, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।

तारीख 6 जुलाई, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/ए(7)=5(17)/72
यतः मुझे, पी० के० शरन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 9/10 (1/3) भाग) है जो, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान के प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(i) मुरिन्द्र कौर बिधवा श्री हरनाम सिंह, निवासी 353 कुष्णा गली फौज रोड़, करोल बाग, नई दिल्ली-1 (अन्तरक)

(ii) सं० ईन्दर जीत सिंह नाबालिग पुत्र स्व० श्री हरनाम सिंह बजरिये माता तथा प्राकृतिक अभिभावक श्रीमती मुरिन्द्र कौर बिधवा श्री हरनाम सिंह 353 कुष्णा गली, फौज रोड़ करोल बाग, नई दिल्ली-1

2. श्रीमती बिजय कुमार महाजन पुत्र श्री तरलोक चन्द्र महाजन, 9/10 पंजाबी बाग नई दिल्ली-1।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग मकान न० 9/10 पंजाबी बाग नई दिल्ली जो कि 279.55 वर्गगज फ्री होल्ड भूमि पर बना हुआ है तथा निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :—

उत्तर-सबिस लैन

दक्षिण-सड़क न० 10

पूर्व-प्लॉट न० 7 पर बना हुआ मकान

पश्चिमी-प्लॉट न० 11

(पी० के० शरन)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 6 जुलाई, 1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।

दिनांक 6 जुलाई, 1973

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एकगु० 1/ए०(7)/6(18)/72-73 यतः, मुझे, पी० के० शरन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 9/10 (2/3 भाग) है, जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर, बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 (i) श्री चरनजी कौर पत्नी स० चरनजीत सिंह, 353 कृष्णा गली
फैज रोड, करोल बाग नई दिल्ली-1

(अन्तरक)

(ii) स० हरजीत सिंह पुत्र स्व० श्री हरनाम सिंह निवासी 353 कृष्णा गली, फैज रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।

(2) श्री तरलोक चन्द महाजन पुत्र श्री बाबू राम महाजन निवासी 9/10 पंजाबी बाग, नई दिल्ली-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2/3 भाग मकान न० 9/10, पंजाबी बाग, नई दिल्ली जो कि 279.55 वर्ग गज फ्री होल्ड भूमि पर बना हुआ है तथा निम्न-लिखित प्रकार से घिरा हुआ है:—

उत्तर-सर्विस लेन

दक्षिण: सड़क न० 10,

पूर्व-प्लॉट न० 7 पर बना हुआ मकान

पश्चिम-प्लॉट न० 11

(पी० के० शरन)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख:—6 जुलाई, 1973

मोहर:

(जो लागू नहो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1,

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

दिनांक 6 जुलाई, 1973

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/ए० (6)/27(88)
/72-73 यतः, मुझे, पी० के० शरण, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी
सं० के० 14 है, जो कीर्ति नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्वरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-1973 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच तय पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के
लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गुरबचन कौर पत्नी भूर सिंह
निवासी 171, राजा गार्डन, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री सूरज प्रकाश वर्मा पुत्र श्री खुशी राम वर्मा,
निवासी के०-14, कीर्ति नगर, नई दिल्ली-1 (अन्तरितियों)

(3) श्री ओम प्रकाश वर्मा, निवासी के०-14 कीर्ति-
नगर, नई दिल्ली। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन
के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरितियों को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जिसका मकान न० के०-14, कीर्ति नगर,
नई दिल्ली है जो कि 150 वर्ग गज फ्री होल्ड भूमि पर बना हुआ है
तथा निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :—

उत्तर-सड़क-15 फुट (सर्विस सड़क)

दक्षिण-सड़क 30 फुट

पूर्व-प्लाट न० के०-15 (मकान)

पश्चिम-प्लाट न० के०-13 (मकान)

तारीख: 6 जुलाई, 1973

मोहर :

पी० के० शरण,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज—1, दिल्ली, नई दिल्ली-2

प्ररूप आई०टी०एन०एस०.....

(1) श्रीमति जोहर बेगम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) ओरिएण्ट मैरेन प्राइवेट लिमि-
टेड (अन्तरिती)]

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

अर्जन रेंज-1, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो—

दिनांक 3 जुलाई 1973

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं० 174/72-73 यतः, मुझे, के० बी० राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सैदापेट तालुक,
पेसल गांव सर्वे सं० 223 (भाग) और 224 (भाग) में 3.35
एकड़ काली भूमी पट्टा सं० 67 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, जे०एस०आर०-I, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 61) के अधीन 5-2-1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तर(अन्तरक को)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने
ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपावे के लिए सुकर बनाना ;

अनुसूची

सर्वे सं० 223 (भाग) और 224 (भाग), पट्टा सं० 67,
पोसल गांव, सैदापेट तालुक, चेंगलपट जिला में 3.35 एकड़
काली भूमि, कुआं और मकान।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए
गए हैं:—

तारीख: 3-7-1973

मोहर:

अतः, अब, धारा 279-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

के० बी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज —————)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रेंज 1, मद्रास-

तारीख 3-7-1973

निर्देश सं० 175/72-73—यतः मुझे, के० वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 222, पट्टा सं० 67, पोसल गांव, सैदापेट तालुक में, 4.15 एकरस काली भूमि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) जोहर बेगम (अन्तरक)

(2) ओरिएण्ट मरैन प्राइवेट प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरिती)
5—146GI/73

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में दिये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे सं० 222, पट्टा सं० 67, पोसल गांव, सैदापेट तालुक, बंगलपट जिला में 4.15 एकरस काली भूमि, कुआं और मकान।

के० वी० राजन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 3-7-1973

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख 3-7-1973

निर्देश सं० 176/72-73—यतः, मुझे, के० वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 218 (भाग) 219/1 (भाग) और 221, पट्टा सं० 67, पोसल गांव, सैदापेट तालुक में 3.24 राकरस काली भूमि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा ऋकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री एस० असमान अली कान (अन्तरक)
- (2) ओरिएण्ट मरैन प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे सं० 218 (भाग), 219/1 (भाग) और 221, पट्टा सं० 67, पोसल गांव, सैदापेट तालुक, चेंगलपट जिला में 3.24 राकरस काली भूमि।

के० बी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 1, मद्रास

तारीख : 3-7-1973

मोहर :

प्ररूप घाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, मद्रास-

तारीख 3-7-1973

निर्देश सं० 177/72-73—यतः मुझे, के० बी० राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०

सर्वे० सं० 220 (भाग), पट्टा सं० 67, पोसल गांव, सैदापेट तालुक, चेंगलपट जिला में 4.42 एकरस में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19—को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा, प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री एस० आसमान अली कान (अन्तरक)
- (2) ओरियन्ट मटैन प्रोडक्ट्स लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे० सं० 220 (भाग), पट्टा सं० 67, पोसल गांव, सैदापेट तालुक, चेंगलपट जिला में 4.42 एकरस काली भूमी, कुआं और मकान।

क० वी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी,
साहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1 मद्रास

तारीख : 3-7-1973
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, कलकत्ता

तारीख 2-7-1973

निर्देश सं० एसी० 10/आर०-II/कैल/- 73-74—
यतः, मुझे, एम० एन० तिवारी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 19 है, जो बेलवेडियर रोड अलीपुर जिला 24 परगना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,

रजिस्ट्रार आफ एस्थोरेन्सेज नं० 5 गवर्नमेंट प्लेस, नार्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-1-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स जयपुर इन्वेस्टमेंट कं० लि० 31 नेताजी सुभाष रोड कलकत्ता (अन्तरक)
2. केशव प्रसाद गोयन्का 19 बेलवेडियर रोड, अलीपुर, कलकत्ता-27 (अन्तरिती)
 - (i) डंकन ब्रदर्स ऐण्ड कं० लि०
 - (ii) बीरपुरा टी० कं० लि०
 - (iii) ऐंग्लो इन्डियन जूट मिल्स कं० लि०

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी

अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 19 बेलवेडियर रोड, अलीपुर, कलकत्ता जिला 24 परगना में स्थित अचल सम्पत्ति जिसमें 3 सीधा बीघा 2 कड़ा जमीन तथा उसपर बना तीनमंजिला मकान सम्मिलित है।

एम० एन० तिवारी,

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण),

अर्जन रोड II, कलकत्ता),

पी० 13 चौरागी स्क्वायर कलकत्ता

तारीख : 2-7-73

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II कलकत्ता

तारीख 2-7-73

निदेश सं० ए०सी०-11/आर०-II/ के०एल०/73-74 यतः, मुझे, एम० एन० तिवारी—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 23 है, जो राजा संतोष रोड अलीपुर जिला 24 परगना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एस्थोरेन्सेज नं० 5 गवर्नमेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-11-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के

अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स बी० पी० अगरवाला एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरक)

2. मेसर्स बोरगान टी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

न० 23 राजा संतोष रोड अलीपुर जिला 24 परगना की अश्वल सम्पत्ति जिसमें 2 बीघा 13 कड़ा 10 छटाक 10 वर्गफीट भूमि और उस पर बना दो मंजिला मकान, गोदाम, गराज इत्यादि सम्मिलित हैं।

एम० एन० तिवारी,

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण)
अर्जन रेंज II

पी-13, चौरंगी स्वयंवर कलकत्ता।

तारीख 2-7-73

मोहर :—

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II
कलकत्ता का कार्यालय

तारीख 3-7-73

निर्देश सं० ए० सी० 12/आर-II/कैल/73-74—यतः, मुझे, एम० एन० तिवारी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 24/एम ब्लॉक बी है, जो न्यू अलीपुर कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ ऐस्योरेन्सज नं० 05 गवर्नमेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-2-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती पारूल चम्पा साहा (अन्तरक)
2. मेसर्स हिन्दुस्तान विल्डिङ सोसाइटी लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 24/एन (वेस्टर्न पोर्शन) ब्लॉक 'बी' न्यू अलीपुर कलकत्ता में 5 कट्टा जमीन

एम० एन० तिवारी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II
पी-13 चौरंगी रक्षायर कलकत्ता

तारीख 3-7-73
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II कलकत्ता का कार्यालय

दिनांक 3 जुलाई 1973

निर्देश सं० ए०सी०-13/आर-II/कैल/73-74—यतः, मुझे एम० एन० तिवारी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 902 है, जो 17/1सी अलीपुर रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एय्योरेसेज 5 गवर्नमेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-2-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मे० ओनाशिप आफिसेज एण्ड फ्लैट्स लि० (अन्तरक)
2. श्रीमती कणिका राय (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

17/1 सी, अलीपुर रोड, कलकत्ता में 1700 वर्गफीट क्षेत्रफल का फ्लैट नं० 902।

एम० एन० तिवारी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II

पी-13, चौरंगी स्क्वायर

तारीख : 3-7-73
मोहर

कलकत्ता

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त कार्यालय अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक 26 जून 1973

निदेश सं० सब० रजि०/खण्डवा/31-3-73—यतः, मुझे, व्ही० के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रसाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 12, वार्ड नं० 2, रनजीत वाड़े, मकान नं० 14 है जो खण्डवा पूर्व निमाड़ 33104 वर्गफीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खण्डवा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-3-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. लेफ्टीनेंट कर्नल नवशोत्पल कपाड़ि महाबोखतर 6 जिडनी पार्क पूना 1. (अन्तरक)

2. श्रीमती देवकी बाई पत्ति श्री कन्हैया लाल सराफ c/o बबति मु. सुरजानपुर हीरासाल

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यावाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 12, वाई नं० 2, रनजीत वाई, मकान नं० 14, 33104 वर्गफीट, खण्डवा, खण्डवा पूर्व निमाड।

अर्ध बनी हुई इमारत के साथ जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल, 33104 वर्गफीट है जो कि प्लॉट नं० 12, ब्लाक नं० 67 सरकार के बड़े प्लॉट में वाई नं० 2 रनजीत वाई।

वी०के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 26-6-73

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षी कार्यालय, अर्जन क्षेत्र, भोपाल
दिनांक 28 जून 1973

निदेश सं० सब० रजि० /भोपाल/—यतः, मुझे व्ही० के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रसाधिकारी

को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी तीन यंजिला इमारत स्थिति 151 बेरिया रोड भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-1-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हिम्मताराम पुत्र श्री थारूमल केशवानी भाई समानाराम सन्त, घोडा नकाश, भोपाल (अन्तरक)

(1) 2. श्री गोपीचन्द्र (2) श्री वीरूमल, C/O मेसर्स सुमरमल गोपीचन्द्र, युनियन बैंक के पास, जुमोराती, भोपाल (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यावाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला इमारत, स्थिति 151 बेरसिया रोड भोपाल (म० प्र०)

सक्षम प्राधिकारी,

दिनांक : 28-6-72 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर : अर्जन रेंज (भोपाल)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1973

निर्देश सं० सब रजि/ग्वालियर/31-1-73—यतः, मुझे, व्ही० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भवन क्रमांक 12/93 का भाग है, जो मानिक विलास गांधी गाँव, झांसी रोड, लस्कर, ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-1-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेखी के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह है कि अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

6—146GI/73

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विश्वनाथ आत्मगर श्री द्वारका प्रसाद कौशल, निवासी ग्राम सेधा पो० नुनशाही जिला जालोन (उ० प्र०) (अन्तरक)
2. श्रीमती बैकुण्ठी बाई धर्मपत्नी जोधाराम बाहमन, निवासी वाटर वर्क्स रोड, भिन्ड (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का अध्याय 20-क) में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवन क्रमांक 12/73 का भाग स्थित गानिक विलास गांधी एव हासी रोड, लश्कर, ग्वालियर।

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-7-73

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय
अर्जन रेंज-1,

भोपाल, दिनांक 17 जुलाई 73

निर्देश सं० सब-रजि०/ग्वालियर/31-1-73---यतः, मुझे, ह्री० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन समक्ष प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 30/532 क्षेत्रफल 898 वर्गफीट है, जो पाटनकर बाजार लश्कर, ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में भारतीय रजिस्ट्री-कृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-1-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. (i) श्री बाबूलाल आत्मज महादेव प्रसाद गोयल
(ii) श्रीमती मेवाबाई धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री महादेव प्रसाद।
(iii) श्री राधारमन बाबूलाल (अवस्यक)।
(iv) श्री राधाकृष्णा आत्मज बाबूलाल (अवस्यक)।
(v) श्री राधेश्याम आत्मज बाबूलाल, पाटनकर बाजार, लश्कर, ग्वालियर। (अन्तरक)

2. श्री रामस्वरूप आत्मज गनेशराम अग्रवाल, दाल बाजार, लश्कर, ग्वालियर (अन्तरिती)।

3. (i) श्री बाबूलाल आत्मज महादेव प्रसाद
(ii) श्री रामस्वरूप आत्मज किशनलाल वैश्य
(iii) श्री प्रेमनारायण आत्मज राधाकृष्ण ब्राम्हान
(v) श्री प्रताप नारायण आत्मज सुमानाराम सिन्धी वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है,

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 30/532 क्षेत्रफल 868 वर्गफीट, पाटनकर बाजार, लश्कर, बवालियर।

ह० अपठनीय
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 4 जुलाई 1973
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 18 जून 1973

निर्देश सं० आर० पी० सी० 19/73-74—यतः मुझे एस० बालसुब्रमन्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 16-6-3, 4 और 4/1 है, जो चादर घाट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आजमपुरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-1-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री देवसी पुत्र/रतनाशी, आजमपुरा, हैदराबाद।

1. केशव पटेल पुत्र/जे० पटेल (अन्तरिती)।

2. सोमजी भाई, (3) धानजी भाई पुत्र/नानजी भाई

4. रामजी भाई पुत्र/केशव पटेल (अन्तरक)

2. मेसर्स अशोक ट्रेडिंग कम्पनी (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी तथा मकान नं० 16-6-3, 4 और 4/1 मकान तथा जगा 1055 चौ० मीटर्स चादरघाट, हैदराबाद

ह० अपठनीय
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-7-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 जुलाई 1973

निर्देश सं० आर० ए० सी०-20/73-74—यतः, मुझे एस० बालसुब्रमन्यम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या 4-1-938 है, जो तिलक रोड, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-1-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत धिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्रीमती के० नरसम्मा पत्नी के० (अन्तरक)
शंकर रेड्डी, एडिन बाग, हैदराबाद
- (2) मेसर्स एसेस् पार्टनरशिप फर्म (अन्तरिती)
आविद रोड, हैदराबाद

(1) श्री भीमन् लाल ।

(2) श्रीमती ग्यान कुमारी ।

(3) श्रीमती वसन्त कुमारी ।

(4) कु० शशि रानी ।

डाक तथा तार पर ।

(3) मेसर्स श्री एसेस् पार्टनरशिप फर्म (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय चुने जाने के लिये अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

इमारत सं० 4-1-938 जो 3705 चौ० गज है । जिसे बेतुल अमन् से पहचाना जाता है जो तिलक रोड पर है हैदराबाद ।

उत्तर—श्री एसेस् ।

दक्षिण—मुख्य रास्ता (तिलक रोड) ।

पूर्व—पडोसन् का सम्पत्ति ।

पश्चिम—पडोसन् का सम्पत्ति ।

एस० बालसुब्रमन्यम्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण, का कार्यालय

दिनांक 2 जुलाई 1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० 21/73/74—यतः, मुझे एस० बाल सुब्रमन्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 947, चौ० मज है, जो किंग कोटी रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन 18-1-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरिको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती हृदय मत्तुल्लसा बेगम पत्नी (अन्तरक)
मीर फ़िरासत अली खान,
6-3-569, सोमानीगूडा,
हैदराबाद।

- (2) श्रीमती समदा साबिहा पत्नी श्री (अन्तरिती)
गुलाम मोहियुद्दीन,
न० 3-5-784/9, किंग कोटी,
हैदराबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट पर मकान भाग जो 947 चौ० गज है। व किंग कोटी रोड पर है।

उत्तर—रास्ता

दक्षिण—रास्ता

पूर्व—एच० ई० एच० निजाम साब का मकान

पश्चिम—श्रीमती सुल्तान जेहान का मकान

ह० अपठनीय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रोज, हैदराबाद।

दिनांक 2 जुलाई 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक 2 जुलाई 1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० 22/73-74—यतः, मुझे एस० बाल सुब्रमन्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी सं० बी०-17-599 है, जो आबिद रोड, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-1-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तर को और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री एन० श्रीनिवास अय्यंगार,
एडेकोट, 185, चापल रोड,
हैदराबाद ।

(ii) श्रीमती कमलम्माल
पत्नी एन० नरसिम्हा अय्यंगार,
सोमाजीगुड़ा, हैदराबाद ।

(iii) श्रीमती सुंदरा रामराज
पत्नी एन० रामराज अय्यंगार } द्वारा/एम० एस०
(iv) आर० बेंकटाद्री } रामस्वामी अय्यंगार
पु०/एन० रामराज अय्यंगार } गार ब्यांक स्ट्रीट,
हैदराबाद ।
(अन्तरक)

2. (i) श्री आर० बाबू राव,
पु/हीरासा,

(ii) श्रीमती तुलजाबाई,
प०, बाबू राव, नं० बी-17-599,
श्री बेंकट सावन, हैदराबाद । (अन्तरिती)

3. श्री श्रीनिवास अय्यंगार तथा
कमलम्माल । (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म० न० बी-17-599, "श्री वेंकट सादन"
चाधर घाट हायस्कूल गली में, आबीद रोड, हैदराबाद ।

ह० अपठनीय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 2 जुलाई 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण कार्यालय

दिनांक 2 जुलाई 1973

सं० आर० ए० सी० 23/73-74—यतः, मुझे, एस० बाल सुब्रमन्यम् आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3-6-372 है, जो हिमायतनगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-1-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिन् की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के

अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्रीमती महिबुन्निसा बेगम
पत्नी श्री सय्यद खुदूस हुसैन
म० नं० 3-6-372, हिमायत नगर, (अन्तरक)
हैदराबाद ।
- (2) 1. श्रीमती सुशीला देवी सिन्धि
2. श्रीमती यमलेश देवी सिन्धि
3. श्रीमती सम्पत् देवी सिन्धि
3-6-372 हिमायत नगर, हैदराबाद । (अन्तरिती)
3. (अन्तरिती) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. (अन्तरिती) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कितबद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जगः 1181 52 चौ० गज०

म० न० 3-6-372,

मेकन्ड, स्ट्रीट, हिमायतनगर, हैदराबाद ।

ह० अपठनीय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2 जुलाई, 1973

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण का कार्यालय

दिनांक 2 जुलाई 1973

निर्देश सं० आर० ए० सी०-24/73-74—यतः, मुझे एस० बालसुब्रमन्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 6-3-863/भाग 'बि' है, जो बेगम पेट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-1-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती आखतर सभा बानू प०/श्री एम० ए० सुभान, बि-विभाग 6-3-863, अमीर पेट रोड, बेगमपेट, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती ललिता देवी अलियास पदमावती देवी प०/सी० राम चन्द्र 1-9-216, रामनगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बि० भाग का मकान नं० 6-3-863 अमीर पेट रोड, बेगम पेट, हैदराबाद। जग : 778 चौ० गज।

एस० बालासुब्रमन्यम्,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 2-7-1973

मोहर :

*जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

प्ररूप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण का कार्यालय

दिनांक 2 जुलाई 1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० 25/73-74—यतः, मुझे एस० बालसुब्रमन्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मालगी नं० 7-7-669 है, जो गान्धी गंज, निजामाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निजामाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-1-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती दादा भाई पु०/शुमर भाई बेपारी, लिंगल्ली, निजामाबाद (अन्तरक)
2. (1) श्री लाभी सेट्टी किस्टय्या पु०/लाभी सेट्टी गंगय्या,
(2) लाभी सेट्टी गंगय्या गारी गुप्ता पु०/ला० गंगय्या, बेपारी निजामाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मालगी नं० 7-7-669, गांधी गंज, निजामाबाद।

उत्तर—गंज का जगा।

दक्षिण—मुनिसिपल मुख्य रास्ता।

पूरब—त्रिग गंगारेड्डी पु०/लकशमा रेड्डी का मकान।

पश्चिम—राम किशन राव का मलगी।

एस० बाल सुब्रमन्यम्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 2-7-1973

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

विज्ञापन सं० 28

निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। उम्मीदवारों की आयु 1-1-1973 को निर्धारित आयु सीमाओं के अन्तर्गत होनी चाहिए, किन्तु सरकारी कर्मचारियों को, उन पदों को छोड़कर जिनके संबंध में ऐसी छूट न देने का उल्लेख किया गया हो, आयु-सीमा में छूट दी जा सकती है। ऊपरी आयु-सीमा में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आए विस्थापित लोगों तथा बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों तथा कीनिया, उगांडा और संयुक्त गणराज्य टंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों से प्रव्रजन कर आए लोगों के कुछ वर्गों को 45 वर्ष की आयु तक छूट दी जा सकती है। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु-सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जा सकती है। विशिष्ट परिस्थितियों को छोड़कर अन्य लोगो को किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी और यह छूट किसी भी स्थिति में 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी। अन्य दृष्टियों से सुयोग्य उम्मीदवारों को, आयोग यदि चाहे तो,

योग्यताओं में छूट प्रदान कर सकता है। केवल उन पदों को छोड़कर जिनके संबंध में ऐसा वेतन न देने का उल्लेख किया गया हो, विशेषतया योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवारों को उच्च प्रारंभिक वेतन दिया जा सकता है।

आवेदन-प्रपत्र और विवरण सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहाँ रोड, नई दिल्ली-110011, से प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रपत्र के लिए अनुरोध करते समय पद का नाम, विज्ञापन संख्या एवं क्रम-संख्या अवश्य लिखें और साथ ही प्रत्येक पद के लिए कम से कम 23×10 सें.मी० आकार का अपना पता लिखा हुआ टिकट रहित लिफाफा भेजना चाहिए। लिफाफे पर उस पद का नाम लिखा होना चाहिए जिसके लिए आवेदन-प्रपत्र मांगा जा रहा है। आयोग 1-1-1964 को या उसके बाद किन्तु 25-3-1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से प्रयोजन कर आए वस्तुतः विस्थापित तथा 1 जून, 1963 और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद क्रमशः बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों का शुल्क माफ़ कर सकता है जो यथार्थतः निर्धन हों। प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग शुल्क के साथ अलग-अलग आवेदन-पत्र भेजना चाहिए। विदेशों में रहने वाले उम्मीदवार आवेदन-प्रपत्र न मिलने पर सादे कागज़ पर आवेदन कर सकते हैं और स्थानीय भारतीय दूतावास में शुल्क जमा कर सकते हैं। अपेक्षित होने पर उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए उपस्थित होना पड़ेगा। रु० 8.00 (अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित आदिम जातियों के लिए रु० 2.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर सहित, आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख 13 अगस्त, 1973 (विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार, लकादिव, मिनिक्वाय एवं अमिनदिव द्वीपसमूहों में रहने वाले आवेदकों के लिए 27 अगस्त, 1973) है। खज़ाना रसीदों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

क्रम-संख्या 18 का पद तथा क्रम-संख्या 16 के दो पद स्थायी हैं। क्रम संख्या 4, 11 तथा 12 के पद स्थायी हैं किन्तु उन पर नियुक्ति अस्थायी आधार पर की जाएगी। क्रम-संख्या 16 के 5 पद अस्थायी हैं किन्तु उनके स्थायी कर दिये जाने की संभावना है। क्रम-संख्या 1, 5 से 10, 13, 15, 17, 24 तथा 25 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके अनिश्चितकाल तक चलते रहने की संभावना है। क्रम-संख्या 19, 20, 21 तथा 23 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके चलते रहने की संभावना है। क्रम-संख्या 2, 3, 14 तथा 22 के पद अस्थायी हैं।

क्रम-संख्या 12 का एक पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है। क्रम-संख्या 3 का एक पद तथा क्रम-संख्या 15 के दो पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं। क्रम-संख्या 15 के दो पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं। यदि अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के उपयुक्त उम्मीदवार नहीं मिलते हैं तो इन पदों को अनारक्षित समझा जाएगा।

क्रम-संख्या 16 का एक स्थायी पद तथा क्रम-संख्या 21 का पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं और उनके न मिलने पर अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों

के लिए आरक्षित रहेंगे और दोनों के न मिलने पर अनारक्षित समझे जाएंगे। क्रम-संख्या 16 का एक स्थायी पद, क्रम-संख्या 20 का एक पद तथा क्रम-संख्या 18 का पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं और उनके न मिलने पर अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहेंगे और दोनों के मिलने पर अनारक्षित समझे जाएंगे। क्रम-संख्या 15 के दो पद तथा क्रम-संख्या 2, 14 तथा 22 के पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं और उनके लिए केवल वे ही आवेदन करें। क्रम-संख्या 15 और 17 में से प्रत्येक का एक पद तथा क्रम-संख्या 10 का पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं और उनके लिए केवल वे ही आवेदन करें।

क्रम-संख्या 3 का एक पद, यदि ऐसे उम्मीदवार मिलते हैं तो, सामान्य वर्ग के उन आपातकालीन आयुक्त/अल्पकालीन सेवा आयुक्त अधिकारियों के लिए, क्रम-संख्या 20 का एक पद तथा क्रम-संख्या 19 का पद अनुसूचित जातियों के वर्ग के उन आपातकालीन आयुक्त/अल्पकालीन सेवा आयुक्त अधिकारियों के लिए आरक्षित हैं जिन्हें 1-11-1962 को या उसके बाद किन्तु 10-1-1968 से पूर्व सशस्त्र सेनाओं में कमीशन प्राप्त था या जो परवर्ती तारीख से पहले किसी कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हो गए थे किन्तु जिन्हें उस तारीख के बाद कमीशन प्राप्त हुआ था और जो निर्मुक्त हों/सैन्य सेवा के कारण हुई विकलांगता के फल-स्वरूप अपांग हों/निर्मुक्त होने वाले हों अन्यथा उन्हें आ० आ० अ०/अ० से० आ० अ० वर्ग के सामान्य उम्मीदवारों के लिए आरक्षित समझा जाएगा और उनके न मिलने पर अनारक्षित समझा जाएगा।

1. एक निवेशक (ग्रेड-II), खाद्य, उद्योग, लघु उद्योग विकास संगठन। वेतन :—रु० 1100-50-1400। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से खाद्य प्रौद्योगिकी/रसायन इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी ऐसे विख्यात प्राविधिक संगठन या औद्योगिक प्रतिष्ठान में दायित्वपूर्ण पद पर लगभग दस वर्ष का अनुभव जहां (1) खाद्य उत्पादों (2) अपूपशाला (Bakeries) (3) खण्ड खाद्य (Confectionaries) (4) दुग्ध उत्पादों (5) फल तथा सब्जी परिरक्षण (6) मछली तथा मास परिरक्षण (7) खाद्य तेलों (8) पशु तथा कुक्कुट खाद्य (9) इन सभी उद्योगों से संबंधित संवेष्टन कार्य किए जाते हों।

2. एक उप निवेशक (यांत्रिक), लघु उद्योग संगठन, औद्योगिक विकास मंत्रालय। वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1250। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से यांत्रिक इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी विख्यात प्राविधिक संगठन या औद्योगिक प्रतिष्ठान में दायित्वपूर्ण हैसियत से हल्की इंजीनियरी भंडार सामग्री के उत्पादन का लगभग 5 वर्ष का अनुभव। (iii) उपर्युक्त व्यवसाय में प्रयुक्त उत्पादन की नवीनतम प्रविधियों तथा आधुनिक मशीनरी, उपस्कर एवं औजारों के प्रयोग से पूर्ण रूप से परिचित होना चाहिए।

3. छह कार्यकारी इंजीनियर (सिविल), सूचना और प्रसारण मंत्रालय । वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1250 । आयु-सीमा :—35 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्यः—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) क्लास I तथा II के पदों अथवा समान दायित्व वाले पदों पर सिविल इंजीनियर के रूप में लगभग 8 वर्ष का अनुभव ।

4. एक नौ इंजीनियर, नौ विभाग, अण्डमान एवं निकोबार प्रशासन । वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1250 । आयु-सीमा :—45 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्यः—(i) कम से कम द्वितीय श्रेणी का बी० ओ० टी० (इंजीनियर) का सक्षमता प्रमाण-पत्र । (ii) पोत निर्माण तथा पोत मरम्मत कर्मशाला में लगभग 5 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव अथवा विदेशगामी पोत पर समकक्ष अनुभव ।

5. एक आख्याता (प्रशीतन तथा वातानुकूलन), जी० बी० पन्त पालीटेक्नीक, ओखला, तकनीकी शिक्षा निदेशालय, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली । वेतन :—रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950 । आयु-सीमा :—40 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्यः—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से प्रशीतन तथा वातानुकूलन में विशेषज्ञता के साथ यांत्रिक/बैद्युत इंजीनियरी में "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक/बैद्युत इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता तथा साथ में वातानुकूलन तथा प्रशीतन में लगभग एक वर्ष का व्यावसायिक अनुभव ।

6. दो उप वरिष्ठ विपणन विकास अधिकारी (शीत संचय प्रशीतन—Cold Storage Refrigeration), विपणन तथा निरीक्षण निदेशालय, कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) । वेतन :—रु० 590-30-830-35-900 । आयु-सीमा :—35 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्यः—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक इंजीनियरी या बैद्युत इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) प्रशीतन संयंत्रों या औद्योगिक प्रकार के हिम तथा शीत संचय संयंत्रों के अनुस्थापन तथा अनुरक्षण से संबंध किसी दायित्वपूर्ण पद पर लगभग 3 वर्ष का अनुभव ।

7. चार विपणन विकास अधिकारी (शीत संचय प्रशीतन), विपणन तथा निरीक्षण निदेशालय, कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) । वेतन :—रु० 350-25-500-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 । आयु-सीमा :—30 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्यः—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक या बैद्युत इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) प्रशीतन संयंत्रों या औद्योगिक प्रकार के हिम तथा शीत संचय संयंत्रों के अनुस्थापन, अनुरक्षण से संबंध किसी दायित्वपूर्ण पद पर लगभग 2 वर्ष का अनुभव ।

8. एक उप निदेशक (अप्राविधिक), वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, बम्बई, वाणिज्य मंत्रालय । वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1250 । आयु-सीमा :—45 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्यः—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री

अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) किसी दायित्वपूर्ण पद पर हथकरघा या वस्त्र उद्योग का सामान्यतः वाणिज्य या उद्योग से संबंध कार्य का लगभग 10 वर्ष का अनुभव तथा साथ में सचिवालय/संगठन/प्रशासन से सम्बद्ध अनुभव ।

9. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड II, रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान, ग्वालियर, अनुसंधान तथा विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय । वेतन :—रु० 400-40-800-50-950 । आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम । योग्यताएं : अनिवार्यः—(i) सूक्ष्म जीव विज्ञान/सूक्ष्म जीव विज्ञान में विशेषज्ञता सहित वनस्पति विज्ञान में द्वितीय श्रेणी की 'मास्टर' डिग्री । (ii) चिकित्सा जीवाणु विज्ञान/वाइरस विज्ञान में अनुसंधान का लगभग दो वर्ष का अनुभव जो प्रकाशित लेखों द्वारा प्रमाणित हो ।

10. एक रसायनज्ञ, भारतीय खान ब्यूरो, इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) । वेतन :—(1) रु० 400-40-800-50-950 । आयु-सीमा :—40 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्यः—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से विश्लेषणात्मक या अकार्बनिक रसायन विज्ञान में विशेषज्ञता के साथ रसायनविज्ञान में "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) किसी विख्यात प्रयोगशाला में धातुओं तथा खनिजों के विश्लेषण का लगभग 3 वर्ष का अनुभव ।

11. एक सहायक निदेशक (आपातकालीन सहायता), राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा कालेज, नागपुर, गृह मंत्रालय । वेतन :—रु० 620-30-830-35-900 । आयु-सीमा :—45 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्यः—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वरीयतः विज्ञान में डिग्री । रक्षा सेवाओं के अधिकारियों के मामले में छूट दी जा सकती है । (ii) केन्द्रीय आपात कालीन सहायता प्रशिक्षण संस्थान में या भारत सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त अनुरूप संस्थानों में आपातकालीन सहायता अधिकारी या समकक्ष पाठ्यक्रम में अहंता प्राप्त तथा आपातकालीन सहायता अधिकारी या में आपातकालीन सहायता अधिकारी या प्रशिक्षक के रूप में लगभग दो वर्ष का अनुभव । अथवा (iii) रक्षा सेवाओं में आयुक्त अधिकारी के रूप में कम से कम चार वर्ष की सेवा ।

12. दो प्राविधिक अधिकारी (डैरी विकास) (एक निम्नस्त तथा एक प्रत्याशित), कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) । वेतन :—रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 । आयु-सीमा :—35 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्यः—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से डैरी विज्ञान में डिग्री/डिप्लोमा । (ii) डैरी कार्य का लगभग 2 वर्ष का (डिप्लोमाधारियों के लिए 3 वर्ष का) व्यावहारिक अनुभव, जिसमें दुग्ध तथा दुग्ध-पदार्थों के उत्पादन, प्रबंध तथा विपणन का अनुभव सम्मिलित हो ।

13. एक कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान, ग्वालियर, अनुसंधान तथा विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय । वेतन :—रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 । आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम । योग्यताएं : अनिवार्यः—जीव रसायन विज्ञान/

पोषाहार/ हार्मोन में विशेषज्ञता के साथ शरीर त्रिया विज्ञान में वित्तीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री।

14. एक संपादक (अंग्रेजी), स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय, परिवार नियोजन विभाग। वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1250। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (2) सरकार या किसी प्रतिष्ठित समाचार पत्र/ समाचार अभिकरण या प्रचार संगठन के अधीन अंग्रेजी में पत्रकारिता/ संपादकीय कार्य का लगभग 5 वर्ष का अनुभव। (3) प्राविधिक विषयों पर लिखने का अनुभव।

15. सात प्रधानाचार्य (महिला), राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शिक्षा निदेशालय, दिल्ली, दिल्ली प्रशासन। वेतन :—रु० 700-40-980-द० रो०-40-1100। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से "मास्टर" या समकक्ष "आनर्स" डिग्री। (2) अध्यापन/शिक्षण में डिग्री/ डिप्लोमा। (3) किसी इंटर कालेज के प्रशासनिक कार्यभार का लगभग 3 वर्ष का अनुभव या किसी हाई स्कूल के प्रशासनिक कार्यभार का लगभग 5 वर्ष का अनुभव अथवा किसी मान्यताप्राप्त हाई स्कूल में अध्यापन का लगभग 8 वर्ष का अनुभव अथवा किसी हाई स्कूल या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय या अध्यापक प्रशिक्षण संस्थान में लगभग दो वर्ष के अध्यापन के अनुभव सहित शैक्षिक प्रशासन का लगभग 3 वर्ष का अनुभव अथवा किसी मान्यताप्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय या अध्यापक शिक्षण संस्थान में अध्यापन का लगभग 5 वर्ष का अनुभव।

16. सात वस्तु शल्य चिकित्सक, दिल्ली नगर निगम। वेतन :—रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900। आयु-सीमा :—30 वर्ष। सरकारी कर्मचारियों तथा दिल्ली नगर निगम के कर्मचारियों को छूट दी जा सकती है। योग्यताएं : अनिवार्य :—(1) दन्त चिकित्सक अधिनियम, 1948 की अनुसूची के भाग I या भाग II में निबद्ध योग्यता। (2) किसी चिकित्सालय में या प्राइवेट प्रैक्टिस के रूप में दन्त कार्य का लगभग 3 वर्ष का अनुभव। (3) किसी दन्त परिषद् में पंजीकृत हो।

17. वाणिज्य व्यवसाय के तीन आख्याता, तकनीकी शिक्षा निदेशालय, नई दिल्ली। वाणिज्य व्यवसाय संस्थान, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली। वेतन :—रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950। आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वाणिज्य में कम से कम द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (2) लगभग 2 वर्ष का व्यावसायिक अथवा अध्यापन का अनुभव।

18. एक पुराभिलेखपाल (प्राच्यभिलेख), भारत का राष्ट्रीय अभिलेखागार। वेतन :—रु० 400-25-500-30-590-द० रो०-30-800। आयु-सीमा :—30 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से आधुनिक भारतीय इतिहास में द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री

अथवा समकक्ष योग्यता। (2) फारसी शिकस्ता लिपि का पर्याप्त ज्ञान।

19. एक पुराभिलेखपाल (सामान्य), भारत का राष्ट्रीय अभिलेखागार। वेतन :—रु० 400-25-500-30-590-द० रो० 30-800। आयु-सीमा :—30 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से आधुनिक भारतीय इतिहास में द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (2) आधुनिक इतिहास में अनुसंधान या अध्यापन और/या विश्वविद्यालय कक्षाओं में आधुनिक इतिहास पढ़ाने का लगभग 2 वर्ष का अनुभव अथवा सरकारी अभिलेख कार्यालय में काम करने का लगभग 2 वर्ष का अनुभव।

20. दो सहायक पुराभिलेखपाल (ग्रेड-I) (सामान्य), भारत का राष्ट्रीय अभिलेखागार। वेतन :—रु० 325-15-475-द० रो०-20-575। आयु-सीमा :—30 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से आधुनिक भारतीय इतिहास में "मास्टर" डिग्री। (2) किसी कालेज या विश्वविद्यालय में अनुसंधान और या अध्यापन का अनुभव।

21. एक सहायक पुराभिलेखपाल ग्रेड-I (प्राच्य अभिलेख), भारत का राष्ट्रीय अभिलेखागार। वेतन :—रु० 325-15-475-द० रो०-20-575। आयु-सीमा :—30 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से आधुनिक भारतीय इतिहास में "मास्टर डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (2) फारसी शिकस्ता लिपि का पर्याप्त ज्ञान।

22. एक अधीक्षक, आस पोषण गृह, समाज कल्याण निदेशालय, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली। वेतन :—रु० 325-15-475-द० रो०-20-575। आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से समाज विज्ञान के किसी विषय, जैसे समाजशास्त्र, अर्थ शास्त्र, मानव-विज्ञान आदि में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (2) किसी दायित्वपूर्ण हैसियत से समाज कार्य का लगभग 3 वर्ष का अनुभव जो बरीयतः सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त किसी समाज कल्याण संस्था में हो।

23. एक आहारविद्, विलिंगडन अस्पताल, नई दिल्ली, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय। वेतन :—रु० 390-20-450-25-575। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से पोषाहार में विशेषज्ञता के साथ गृह अर्थशास्त्र या गृह विज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री। (2) किसी अस्पताल के आहारिकी विभाग में लगभग दो वर्ष का स्नातकोत्तर प्रशिक्षण तथा अनुभव।

24. एक अनुसंधान सहायक, कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग। वेतन :—रु० 325-15-475-द० रो०-20-575। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से गणित/अर्थशास्त्र/सांख्यिकी के विषय सहित द्वितीय श्रेणी की डिग्री तथा किसी मान्यताप्राप्त संस्था से सांख्यिकी में 2 वर्ष का स्नातकोत्तर डिप्लोमा अथवा समकक्ष योग्यता। (2) सांख्यिकीय आंकड़ों के संग्रह, संकलन तथा निर्वचन का लगभग 2 वर्ष का अनुभव।

25. एक सहायक प्रोफेसर, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली । वेतन :-

रु० 325-15-475-रु० 20-575 । आयु-सीमा :- 30

वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्यः— (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय से सांख्यिकी या गणित / परिचालन अनुसंधान/ अर्थ-शास्त्र / व्यापार प्रशासन / वाणिज्य (सांख्यिकी के एक प्रश्न-पत्र के साथ) में 'मास्टर' डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से गणित या सांख्यिकीय या अर्थ-शास्त्र या वाणिज्य या व्यापार प्रशासन या परिचालन अनुसंधान

विषय के साथ डिग्री तथा साथ में सांख्यिकी में कम से कम 2 वर्ष के स्नातकोत्तर प्रशिक्षण के बाद प्राप्त मान्य डिप्लोमा । (ii) सांख्यिकीय कार्य का लगभग 2 वर्ष का अनुभव जिसमें इलेक्ट्रॉनिक आंकड़ा प्रसाधन में कम से कम एक वर्ष के सहित सांख्यिकीय आंकड़ों का संग्रह, सकलन तथा निर्वचन निहित हो ।

डी. आर० कोहली

सचिव,

संघ लोक सेवा आयोग

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION*New Delhi-110011, the 25th June 1973*

No. A32016/7/72-Admn.II.—Shri S. P. Bansal, officiating Assistant Superintendent (Hollerith) in the office of the Union Public Service Commission has been appointed to officiate as Superintendent (Hollerith) a gazetted Class II post in the General Central Service in the office of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of the 1st June, 1973 to the 5th September, 1973 or until further orders whichever is earlier *vice* Shri J. L. Kapur, Superintendent (Hollerith) on deputation with the Institute of Secretariat Training & Management, New Delhi.

N. B. MATHUR

*Under Secy.**for Secy.**Union Public Service Commission**New Delhi-110011, the 8th June 1973*

No. A32014/1/73-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri R. L. Madan, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 17 days from 23rd May, 1973 to 8th June, 1973 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/73-Admn.III.—In continuation of this office Notification of even number dated the 9th April, 1973, the President is pleased to appoint Shri S. P. Biswas, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period of 46 days from 16th May, 1973 to the 30th June, 1973 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/73-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri P. D. Srivastava, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 48 days from 21st May, 1973 to 7th July, 1973, or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/73-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri Sudarshan, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 48 days from 18th May, 1973 to 4th July, 1973, or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/73-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri S. S. Nagar, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 48 days from 21st May, 1973 to 7th July, 1973, or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/73-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Gupta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 48 days from 21st May, 1973 to 7th July, 1973, or until further orders, whichever is earlier.

No. 32014/1/73-Admn.III.—In continuation of this office notification of even number dated the 28th April, 1973, the President is pleased to appoint Shri A. K. Gupta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a further period of 48 days from 3rd June, 1973 to 20th July, 1973 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/73-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 48 days from the 18th May, 1973 to the 4th July, 1973 or until further orders, whichever is earlier.

N. B. MATHUR

*Under Secretary,**(Incharge of Administration)**Union Public Service Commission***CENTRAL VIGILANCE COMMISSION***New Delhi, the 26th June 1973*

No. 2/19/73-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri K. A. Ramasubramaniam, I.A.S. (Bihar), Officer on Special Duty in the Central Vigilance Commission, as Secretary, Central Vigilance Commission, with effect from the forenoon of 25th June 1973 until further orders.

B. V. DIGHE

*Under Secretary (Admn.)**for Central Vigilance Commissioner***CABINET SECRETARIAT****(Department of Personnel & Administration Reforms)****Central Bureau of Investigation***New Delhi, the 22nd June 1973*

No. PF/V-51/70-AD.I.—Shri V. Nath, an I.P.S. officer of U. P. Cadre on deputation to the C.B.I. was relieved of the office of Dy. Inspector General of Police, C.B.I. on the forenoon of 2-6-1973, and reverted to his parent state cadre on his appointment as Additional Deputy Inspector General of Police, P.A.C. Lucknow, U.P.

No. PF/P-98/73-Ad.I.—D.I.G. of police, D.S.P.E. Division of C.B.I. hereby appoints Shri P. Devakaran Nair, Sub-Inspector of Kerala State Police Deptt. on deputation as Inspector of Police in the DSPE Division of CBI at Cochin Branch in a temporary capacity with effect from the afternoon of 1-6-1973 until further orders.

No. PF/S-234/73-Ad.I.—D.I.G. of Police, D.S.P.E. Division of C.B.I. hereby appoints Shri Sukumar Biswas, an officer of West Bengal State Police on Deputation as Inspector of Police in the DSPE Division of CBI Calcutta Branch in a temporary capacity with effect from the forenoon of 21-5-1973 until further orders.

The 25th June 1973

No. C-2/69-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri Chandu Lal I.P.S. an officer on deputation

from Mysore Cadre, as Assistant Director in C.B.I. Head Office with effect from 11-6-1973 (F.N.) until further orders.

G. L. AGARWAL
Administrative Officer (E)
C.B.I.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

Directorate General, Central Reserve Police Force

New Delhi-110001, the 27th June 1973

No. O.II-397/69-Ests.—Consequent on the expiry of his terms of deputation with this Force Shri Sydney Noone has been repatriated to his parent State of Tamil Nadu. He relinquished charge of the post of Dy. S.P. (Coy Comdr) 39th Bn. CRP Force on the afternoon of 8th June, 1973.

S. N. MATHUR
Assistant Director (Adm)

Office of the Inspector General

Central Industrial Security Force

New Delhi-110003, the 26th June 1973

No. E-32015(2)/14/73-Ad.I.—Shri G. R. Khosla, Head of Security and Fire Safety Department, Hindustan Insecticides Limited, New Delhi is appointed to officiate as Assistant Commandant No. 17 Battalion, Central Industrial Security Force, with Headquarters at New Delhi with effect from the afternoon of 22nd May, 1973.

L. S. BISHT
Inspector General

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

Office of the Chief Pay & Accounts Officer

Bombay, the 16th June 1973

No. A.24013/71-72/Bombay/Admn(CDN)/1668-77.—On attaining the age of superannuation, Shri L. P. Butani a substantive pay & Accounts Officer, retired from service w.e.f. 2-6-1973 (A.N.).

K. S. BHATNAGAR
Chief Pay & Accounts Officer

Office of the Accountant General Andhra Pradesh

Hyderabad, the 18th June 1973

No. EB-I/7-4/73-74/93.—Shri R. A. Narayana Rao, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh-II has retired from service with effect from 8-12-1972 forenoon.

No. EB-I/7-4/73-74/94.—Shri Govind Rao, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh-II has retired from service with effect from 19-4-1973 forenoon.

Sd/- ILLEGIBLE
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

Office of the Accountant General, Commerce Works and Miscellaneous

New Delhi, the 23rd June 1973

No. AdmnI/2(1)/IV/4151-66.—The Accountant General, Commerce, Works and Misc., New Delhi is pleased to promote S/Shri K. R. Gupta, R. L. Mina, and P. N. Sanan, Section Officers as Accounts Officers in officiating capacity in the office of the Sr. Dy. Accountant General, Commerce, Works and Misc., Bombay w.e.f.

30-4-1973 (F.N.), 7-5-73 (F.N.) and 23-5-73 (F.N.) respectively until further orders.

Sd/- ILLEGIBLE
Deputy Accountant General (ADMN)

Office of the Accountant General

Maharashtra I Bombay

Bombay, the 26th June 1973

No. Admn.I/IAD/21vol.II/5.—The Accountant General, Maharashtra I, Bombay is pleased to appoint Shri A. B. Deo, a member of the S.A.S. to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 14-6-1973 FN until further orders.

No. Admn.I/IAD/21vol.II/5.—The Accountant General, Maharashtra I, Bombay is pleased to appoint Shri H. C. Supekar, a member of the S.A.S. to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 20-6-73 FN until further orders.

R. S. SHARMA
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

NORTHERN RAILWAY

Office of the Chief Auditor

New Delhi, the 23rd June 1973

No. ADMN/17-14/72.—Shri Vishwa Nath Singh, Section Officer (Audit) (a permanent member of the Subordinate Railway Audit Service), on reversion from the office of the Deputy Commissioner, Tuenang, Nagaland, is appointed to officiate as Audit Officer w.e.f. 16-6-1973 F.N. and posted as Divisional Audit Officer, Bikaner until further orders.

G. B. SINGH
Chief Auditor

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

Office of the Controller General of Defence Accounts

New Delhi, the 21st June 1973

No. 23012(1)/73/AN-A.—The Controller of Defence Accounts appoints the undermentioned permanent Accountants as Accounts Officers in a substantive capacity with effect from the forenoon of the dates shown against each:

Sl No., Name S/Shri, Organisation in which serving and Date of effect

1. R. Bashyam, CDA Central Command, Meerut, 1-4-1973 FN
2. D. Ramapathi, CDA (Pensions) Allahabad, 1-4-1973 FN
3. D. P. Gajri, CDA (Air Force) Dehradun, 1-4-1973, FN
4. M. Damodaran, CDA (Air Force) Dehradun, 4-4-1973 FN
5. S. Rangarajan, CDA (Air Force) Dehradun, 5-4-1973 FN
6. P. D. Behl, CDA Western Command, Meerut, 14-4-1973 FN
7. Niranjana Lal, CDA Central Command, Meerut, 28-4-1973 FN
8. Jeet Narayan Vatsya, Jt CDA (Funds) Meerut, 5-5-1973 FN
9. D. Ramamurthy, CDA Central Command, Meerut 9-5-1973 FN
10. S. M. Raj Pathak, CDA (Officers) Poona, 13-5-1973 FN
11. Durga Das Nayar, CDA (ORs) North, Meerut, 14-5-1973 FN

12. Sudardhan Sareen, CDA Western Command, Meerut, 20-5-1973 FN

The 25th June 1973

No. 3253/AN-II.—On reversion from deputation to the Department of Atomic Energy, Bombay, Shri R. Bhaktavatsalu, an officer of the Indian Defence Accounts Service was taken on the proforma strength of the Defence Accounts Department with effect from the afternoon of 2nd April 1973 and has been transferred to the pension establishment with effect from the forenoon of 3rd April 1973 on attaining the age of superannuation.

Shri Bhaktavatsalu has been granted refused leave for 120 days i.e. from 3-4-1973 to 31-7-1973.

S. K. SUNDARAM
Addl Controller General of Defence Accounts

DEPARTMENT OF LABOUR AND EMPLOYMENT

Simla-171004, the 10th July 1973

No. 23/3/73-CPI.—The All India Consumer Price Index for industrial workers on base 1960=100 advanced by seven points to reach 228 (Two Hundred and twenty eight) during the month of May, 1973. Converted to base 1949=100 the index works out to 277 (Two hundred and Seventy Seven).

K. K. BHATIA
Director
Department of Labour & Employment

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 28th May 1973

No. 2/35/60-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Sita Ram, Accountant, News Services Division, All India Radio, New Delhi to officiate as Administrative Officer, All India Radio, New Delhi, with effect from 3-5-1973 (F.N.) vice Shri B. Sengupta, Administrative Officer appointed as Inspector of Accounts in Directorate General, All India Radio in a leave vacancy.

I. S. PANDHI
Section Officer,
for Director General

New Delhi, the 15th June 1973

No. A-20011/13/70-SV.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri B. S. Jain, a permanent Grade IV Officer of CSS and officiating Section Officer in the Directorate General, All India Radio on deputation to the ex-cadre post of Junior Analyst with effect from the 21st May, 1973 until further orders.

N. K. BHARDWAJ
Deputy Director of Administration,
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 16th June 1973

No. 1-8/73-CGHS.I.—Consequent on the acceptance of his resignation, Dr. B. C. Joshi relinquished charge of the post of Junior Medical Officer, under the C.G.H. Scheme, New Delhi on the afternoon of the 6-12-72.

I. D. BAHL
Deputy Director (ADMN.I) (CGHS)

New Delhi, the 25th June 1973

No. 11-2/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri G. Panchapakesan, a permanent officer of the Section Officers' Grade I of the Central Secretariat Service to officiate in Grade I of the Central Secretariat Service for the following periods or till a regular officer joins whichever is earlier.

- (1) From the forenoon of the 1st May 1973 to the afternoon of the 19th June, 1973.

- (ii) From the forenoon of the 21st June, 1973 to the afternoon of the 30th June, 1973.

The President is also pleased to appoint Shri Panchapakesan as Deputy Director (Administration) in the Directorate General of Health Services for the above period.

The 27th June 1973

No. 10-7/70-Admn.I.—Consequent upon his appointment to the post of Director of Laboratories in the Directorate of Marketing and Inspection under the Ministry of Agriculture, Shri T. V. Mathew relinquished charge of the post of Chief Technical Officer, Central Food Laboratory, Calcutta on the forenoon of the 12th June, 1973.

No. 4-8/73-Admn.I.—Consequent upon his appointment as Research Officer in the Central Council for Research in Indian Medicine and Homoeopathy, New Delhi, Shri R. J. Agnihotri relinquished charge of the post of Ayurvedic Physician in the Central Govt. Health Scheme under this Directorate, on the afternoon of the 24th May, 1973.

R. N. SAXENA
Deputy Director (Administration)

New Delhi, the 25th June 1973

No. 48-21/73-CHS.I.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. R. Ayyaswamy as Medical Officer (Health Training, Rural Health Centre), Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education and Research, Pondicherry with effect from the forenoon of the 1st June, 1973 on an *ad hoc* basis until further orders.

The 26th June 1973

No. 29-11/72-CHS.I.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. Gyan Arora as Junior Medical Officer in the Central Govt. Health Scheme, Delhi with effect from the afternoon of the 31st May, 1973 on an *ad hoc* basis until further orders.

No. F48-18/73-CHS.I.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. R. Narayanan as Junior Medical Officer (Ante-Natal) in the J.I.P.M.E. R., Pondicherry with effect from the forenoon of the 21st May, 1973 on an *ad hoc* basis until further orders.

G. PANCHAPAKESAN
Deputy Director (Administration) (P.H.)

Drugs Section

New Delhi-11, the 2nd June 1973

No. 41-51/73-D.—Shri K. S. George, relinquished charge of the post of Drugs Inspector, Central Drugs Standard Control Orgn., North Zone, Ghaziabad on the forenoon of the 2nd May, 1973.

The President is pleased to appoint Shri K. S. George as Asst Drugs Controller (India), Central Drugs Standard Control Orgn., North Zone, Ghaziabad in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 2nd May, 1973, until further orders.

P. S. RAMACHANDRAN
Drugs Controller (India)
for Director General of Health Services

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

New Delhi, the 22nd June 1973

No. A-6/247(103)/V.—Shri Harnam Singh, a permanent Director of Inspection, Calcutta under the Directorate General of Supplies and Disposals has expired on 26-8-72.

VIDYA SAGAR
Deputy Director (Admn.)

(Administration Section A-1)

New Delhi-1, the 23rd June 1973

No. A-1/1(939).—The Director General, Supplies & Disposals hereby appoints Shri A. K. Gupta, Junior Field Officer (Progress) in the office of the Deputy Director General, Supplies & Disposals, Calcutta to officiate as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 5-6-1973 and until further orders.

2. The appointment of Shri Gupta as Assistant Director (Grade II) is purely temporary and on ad hoc basis and subject to the results of the Civil Writ petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppaswamy in the High Court of Delhi.

T. V. ANANTANARAYANAN
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 15th June 1973

No. F.2(8)/72-Estt.(I).—Shri R. B. Kamble officiating as Commercial Artist, Class II (Gazetted) (Non-Ministerial) on ad hoc basis with effect from 21st August, 1972 vide this Directorate Notification of even number dated 21-8-1972 is reverted to the post of Artist (Senior Grade) with effect from afternoon of 30th April, 1973.

N. K. DUTTA
Director of Administration

MINISTRY OF COMMERCE

Office of the Chief Controller of Imports & Exports

Import & Export Trade Control

(ESTABLISHMENT)

New Delhi, the 23rd June 1973

No. 6/231/54-Admn(G)/2651.—The President is pleased to appoint Shri N. R. Minocha, a permanent officer of Grade I of the CSS to officiate in the Selection Grade of the Service for a further period of three months with effect from 1st April, 1973.

2. The President is also pleased to appoint Shri S. R. Minocha as Joint Chief Controller (CSS) in the Office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi, for the aforesaid period.

S. G. BOSE MULLICK
Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF STEEL, MINES AND METALS

Geological Survey of India

Calcutta-13, the 22nd June 1973

No. 2225B/264(23/9)/19A.—Shri Madan Sharma, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 in a temporary capacity with effect from the forenoon of 2-2-1973, until further orders.

No. 2260B/2222(CPSP)/19A.—Shri C. P. S. Parihar is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 350 per month in the scale of pay of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 21-4-1973, until further orders.

M. K. ROY CHOWDHURY
Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

(Department of Mines)

Nagpur, the 27th June 1973

No. A1901J(49)/70-Estt A.—The President is pleased to appoint Shri M. P. Kusum to the post of Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 25th November, 1972.

S. BALAGOPAL
Head of Office
for Controller

MINISTRY OF WORKS & HOUSING

Directorate of Estates

New Delhi, the 22nd May 1973

No. 2018-Admn. 'B'.—Shri Ichhar Singh, Superintendent (Legal) of the Ministry of Law (Department of Legal Affairs) who was concurrently holding the post of Assistant Director of Estates (Litigation) in the Directorate of Estates, has vacated the said post in the Directorate of Estates in the forenoon of the 14th May, 1973.

2. Shri B. P. Aggarwal, Superintendent (Legal) is appointed concurrently as Assistant Director of Estates (Litigation) in the Directorate of Estates, Ministry of Works and Housing with effect from the forenoon of 14th May, 1973, until further orders.

R. I. AHLUWALIA
Deputy Director of Estates (ADM.)

CENTRAL WATER AND POWER COMMISSION

(Water Wing)

New Delhi-22, the 26th June 1973

No. A-19012/326/72-Adm.V.—Consequent upon his selection by the Union Public Service Commission, the Chairman, Central Water & Power Commission, is pleased to appoint Shri J. G. Dixit to the post of Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water & Power Commission (Water Wing), in the scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900, with effect from the forenoon of 29-5-73, until further orders.

2. Shri J. G. Dixit will be on probation for a period of two years with effect from the above date and time.

The 16th June 1973

No. A-19012/355/72-Adm.V.—In continuation of this Commission's Notification No. 19012/355/72-Adm.V., dated 17-2-73, the Chairman, Central Water and Power Commission (Water Wing) hereby appoints Shri S. W. Shutari to the grade of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Central Water & Power Commission, in the scale of pay of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900, on a purely temporary and ad hoc basis for a further period of 3 months with effect from 27-4-1973 or till such time as the U.P.S.C.'s nominees join, whichever is earlier.

No. A-19012/406/73-Adm.V.—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri S. M. Shujauddin a temporary supervisor, to officiate as an Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engg.) in the Central Water and Power Commission on a purely temporary and ad hoc basis. He will be entitled to draw his grade pay as Supervisor plus 10% allowance while employed as Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engg.) on ad hoc basis, with effect from 25-4-1973 (F.N.) until further orders.

Shri S. M. Shujauddin took over the charge of the office of Assistant Engineer at Central Flood Forecasting Control Room, Hoshangabad (M.P.) with effect from the above date and time.

K. P. B. MENON
Under Secy.

New Delhi, the 26th June 1973

No. A-19012/408/73-Adm.V.—The Chairman, Central Water and Power Commission, hereby appoints Shri A. K. Ghua, Supervisor to officiate in grade of E.A.D./A.E./A.R.O. (Engg.) in the Central Water and Power Commission (Water Wing) on a purely temporary and *ad hoc* basis in the scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 with effect from the forenoon of 23rd May, 1973 until further orders.

Shri Guha, took over charge of the office of Extra Assistant Director in the Central Water and Power Commission (Water Wing) New Delhi with effect from the above date and time.

K. P. B. MENON
Under Secretary
for Chairman, C.W. & P. Commission

Central Ground Water Board

Faridabad, the 22nd June 1973

No. 3-287/73-Estt.II.—Shri Dharmapuram Sanjeeva-krishna Rao is hereby appointed to officiate as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. Class II (Gazetted) in the Scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 in the Central Ground Water Board with his Headquarters at Ahmedabad with effect from 16-4-1973 (Forenoon) till further orders.

The 23rd June 1973

No. 3-289/73-Estt.II.—Shri Shashi Kant Manohar Mendhekar is hereby appointed to officiate as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. Class II (Gazetted in the Scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900) in the Central Ground Water Board with his Headquarters at Ahmedabad with effect from 13-4-1973 (Forenoon) till further orders.

D. PANDEY
Superintending Engineer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

India Meteorological Department

New Delhi-3, the 20th June 1973

No. E(I)04228.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri H. N. Joardar, Professional Assistant, Meteorological Office, Patna under the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty-seven days with effect from the forenoon of 3-5-1973 to 28-7-1973.

Shri H. N. Joardar, Offg. Assistant Meteorologist remains posted in the Meteorological Office, Patna under the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(I)06513.—The Director General of Observatories hereby appoints Dr. V. S. Tiwari, Professional Assistant, Office of the Director, Instruments, Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty-seven days with effect from the forenoon of 3-5-1973 to 28-7-1973.

Dr. V. S. Tiwari, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of Director, Instruments, Poona.

The 21st June 1973

No. E(I)03954.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri N. B. Shirali, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay to officiate as Assistant Meteorologist for a period of eighty-seven days with effect from the forenoon of 3-5-1973 to 28-7-1973.

logist for a period of eighty-seven days with effect from the forenoon of 3-5-1973 to 28-7-1973.

Shri N. B. Shirali, officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay.

No. E(I)06524.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. Senapati, Professional Assistant, Headquarters Office of the Director General of Observatories New Delhi as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of seventy-one days with effect from the forenoon of 19-5-1973 to 28-7-1973.

Shri Senapati, Offg. Assistant Meteorologist has been transferred to the office of Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi with effect from the forenoon of 19-5-1973.

No. E(I)06804.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri A. K. Sen Gupta, Professional Assistant, Office of the State Meteorological Centre, Gauhati under the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty-seven days with effect from the forenoon of 3-5-1973 to 28-7-1973.

Shri A. K. Sen Gupta, officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of State Meteorological Centre, Gauhati under the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

The 22nd June 1973

No. E(I)03897.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri N. Suryanarayana, Professional Assistant, State Meteorological Centre, Hyderabad, under the Director, Regional Meteorological Centre, Madras as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of 3rd May, 1973 and until further orders.

Shri N. Suryanarayana, Officiating Assistant Meteorologist remains posted in the State Meteorological Centre, Hyderabad under the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay.

C. G. BALASUBRAMANYAN
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

Calcutta, the 15th June 1973

No. A-35018/2/73-EH.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri B. L. Baveja, officiating Accounts Officer (0-10 B) in the office of the Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun, as Accounts Officer (Cost) in the Headquarters office of Civil Aviation Department, New Delhi, on deputation, in the scale of pay of Rs. 590-30-330-35-900 with effect from the forenoon of the 30th May, 1973 and until further orders.

The 23rd June 1973

No. A-32013/7/72-EH.—The President is pleased to appoint Shri K. B. J. Shetty, Controller of Aeronautical Inspection, Delhi to officiate as Regional Director at New Delhi with effect from 15th June, 1973 (F.N.) and until further orders.

S. L. KHANDPUR
Asstt. Director of Admn.
for Director General of Civil Aviation

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 23rd June 1973

No. 1/111/73/EST.—Shri S. Ramchandran, Permanent Supervisor, Madras Branch of the O.C.S., is appointed as Traffic Manager in an officiating capacity in the New Delhi Branch of the O.C.S., with effect from the forenoon of the 19th April, 1973, and until further orders.

P. G. DAMLE
Director General

Bombay, the 26th June 1973

No. 1/311/73-EST.—The Director General, Overseas Communications Service hereby appoints Shri A. S. Paes, Perm. Assistant Supervisor, Bombay Branch as Supervisor, in an officiating capacity, at the same Branch for the period from the 1st May, 1973 to the 9th June, 1973 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

No. 1/314/73-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri R. C. Gupta, Officiating Technical Assistant, New Delhi Branch, as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same office for the period from the 24th March, 1973 to the 11th May, 1973 (both days inclusive).

M. S. KRISHNASWAMY
Administrative Officer
for Director General

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 18th June 1973

No. 73/W4/CONL/SC/1.—It is hereby notified for general information that the Ministry of Railways (Rly. Board) have sanctioned the Preliminary Engineering and Traffic Surveys for conversion of Manmad-Parbhani-Purli Vajinath (354 Kms) in Broad Gauge. The survey is being carried out by the South Central Railway.

H. F. PINTO
Secretary, Railway Board

NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 2nd June 1973

No. 19.—The following Asstt. Engineers (Class II) of this Railway have retired finally from Railway Services from the dates noted against each:—

1. Shri Man Mal—21-4-1973 A. N.
2. Shri K. N. Mehra—13-5-1973 A. N.

C. S. PARAMESWARAN
General Manager

CHITTARANJAN LOCOMOTIVE WORKS, CHITTARANJAN

Distt.-Burdwan (West Bengal)

Calcutta, the 21st June 1973

No. GMAGS/8(Elec).—Sri G. Kudaisya, Officiating Asstt. Electrical Engineer (now officiating as Senior Electrical Engineer/Design-II in Sr. Scale)/CLW is confirmed as Asstt. Electrical Engineer in Class II service in the cadre of Electrical Engineering Department of the Chittaranjan Locomotive Works, Chittaranjan with effect from 24-5-65(FN).

A. L. KOCHHAR
General Manager

Office of the Collector of Central Excise and customs West Bengal Calcutta

Calcutta, the 8th June 1973

No. 23.—On promotion to the grade of Superintendent Class II Shri Ashok Kr. Sen assumed charge as Superintendent L. R. Cooch Behar Central Excise Division on 14-5-1973 (A/N).

No. 24.—On promotion to the grade of Superintendent Class II Shri Satyabrata Som assumed charge as Superintendent L. R. (Headquarters) and attached to (Customs Tech.) Central Excise & Customs, West Bengal on 11-5-1973 (F/N).

No. 25.—On promotion to the grade of Administrative Officer Shri Sunil Ch. Sen assumed charge of

Administrative Officer of Chandernagore Central Excise Division on 23-5-1973 (F/N) relieving Shri M. L. Choudhury, Superintendent Class II of the additional charge.

No. 26.—On promotion to the grade of Administrative Officer Shri Subodh Kr. Das Gupta took over charge of Administrative Officer Burdwan Central Excise Division on 30-5-1973 (F/N) vice Shri J. K. Biswas transferred to Calcutta & Orissa.

No. 27.—On transfer from Calcutta & Orissa Collectorate Shri Arun Kr Chakraborty, Superintendent Central Excise Class II assumed charge of Superintendent (T) Siliguri Central Excise Division on 18-5-73 (F/N) relieving Shri S. K. Mitra, Superintendent of the additional charge w.e.f. 23-5-1973 (A/N).

No. 28.—On transfer from Calcutta & Orissa Collectorate Shri Prafulla Chandra Barman, Superintendent Central Excise Class II took over charge of Superintendent (Prev.) Siliguri Central Excise Division on 2-5-73 (F/N) relieving Shri K. M. Dutta, Superintendent Class II of the additional charge.

No. 29.—On transfer from Calcutta & Orissa Collectorate Shri Naresh Ch. Roy Choudhury, Superintendent Central Excise Class II took over charge of Burnpur-Assessment-Cum-Inspection Unit under Burdwan Central Excise Division on 28-5-1973 (F/N) vice Shri S. L. Choudhury, Superintendent Class II transferred to Asansol Range.

No. 30.—On promotion to the grade of Administrative Officer Shri Jyotirmoy Mukherjee transferred to West Bengal Collectorate from Calcutta & Orissa Collectorate took over charge of the Office of Administrative Officer Jalpaiguri Central Excise Division on 30-5-1973 (F/N) vice Shri Arabinda Ghosh, Superintendent Class II transferred to Krishnagar Customs Division.

No. 31.—On promotion to the grade of Superintendent Class II Shri Benoy Ranjan Mukherjee took over charge of Kurseong Range under Siliguri Central Excise Division on 30-5-1973 (F/N) vice Shri K. P. Das, Superintendent Class II transferred to Calcutta Customs Division.

N. N. ROY CHOUDHURY
Collector of Central Excise &
Customs, W.B., Calcutta

Allahabad, the 21st June 1973

No. 59/1973.—Shri J. K. Goswami, an officiating Inspector (S.G.) of Central Excise, posted in the Central Excise Division, Varanasi, and appointed to officiate as Superintendent, Central Excise, Class II, until further orders, in the scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-955. (Vide this office Establishment Order No. 64/1973 dated 10-5-1973), assumed charge as Superintendent, Central Excise, Class II, in the Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad in the afternoon of 11-5-1973.

The 22nd June 1973

No. 60.—Shri O. P. Khare, confirmed Inspector (S.G.) of Central Excise, posted in the Central Excise Collectorate Hdqrs., Allahabad and appointed to officiate as Superintendent, Class II, until further orders, in the scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900, (vide this office Establishment Order No. 67/1973 dated 14-5-1973 issued under C. No. II(3)132-Et/73/7900-22 dated 14-5-1973), took over charge of the office of the Superintendent (Tech) in the Central Excise Division, Rampur, on 1-6-1973 (Forenoon), relieving Shri R. R. Bharadwaj, Superintendent, Class II, of the additional charge.

No. 61.—Shri A. U. Haider, confirmed Inspector (S.G.) of Central Excise, posted in the office of the Superintendent, Customs, Varanasi, and appointed to officiate as Superintendent, Class II, until further orders, in the scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-

900, (vide this office Establishment Order No. 67/1973, dated 14-5-1973 issued under C.No. II(3)132-Et/73/7900-22, dated 14-5-1973), took over charge of the office of the Superintendent, Customs, Lakhimpurkheri, in the Customs Preventive Division, Lucknow, on 2-6-73 (Forenoon), relieving Shri P. N. Khanna, Superintendent, Class II, transferred

M. V. N. RAO
Collector
Central Excise, Allahabad

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of
East Bengal Traders Limited
Calcutta, the 20th June 1973*

No. 19980/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Eastern Electrical & Hardware has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of
Eastern Electrical and Hardware Mfg. Co. Private
Limited
Calcutta, the 20th June 1973*

No. 21835/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Eastern Electrical & Hardware Mfg. Co. Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of
Mandoss Drugs Private Limited
Calcutta, the 20th June 1973*

No. 24414/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Mandoss Drugs Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of
Kailas Textile Industries Limited
Calcutta, the 20th June 1973*

No. 26109/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Kailash Textile Industries Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of
Victory Export Import Private Limited
Calcutta, the 20th June 1973*

No. 26546/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Victory Export Import Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of
Nabagram Development Co. Private Limited
Calcutta, the 20th June 1973*

No. 27330/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Nabagram Development Co. Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

K. G. ANANTHAKRISHNAN
Addl. Registrar of Companies
West Bengal

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Commonwealth Construction Company
Private Limited*

Bombay-2, the 22nd June 1973

No. 14553/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the name of the Commonwealth Construction Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Eurake Builders Private Limited*

Bombay-2, the 22nd June 1973

No. 14954/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the name of the M/s. Eurake Builders Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Quality Construction Private Limited*

Bombay-2, the 22nd June 1973

No. 14965/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Quality Construction Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Natraj Construction Company Private Limited*

Bombay-2, the 22nd June 1973

No. 14966/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Natraj Construction Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Stylish Structures Private Limited*

Bombay-2, the 22nd June 1973

No. 14967/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the name of the M/s. Stylish Structures Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN
Addl. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Associated General Merchandise Corporation of India
Private Limited*

Delhi, the 23rd June 1973

No. 2825/118-6247.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Associated General Merchandise Corporation of India Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

(Sd.) ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies
Delhi and Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Golden Bus Service Private Limited*

Madras-6, the 26th June 1973

No. 4853/PCIV/73.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of Golden Bus Service Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Sri Kala Nidhi Limited*

Madras-8, the 26th June 1973

No. DN/5204/73.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Sri Kala Nidhi Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

P. ANNAPURNA
Assistant Registrar of Companies
Madras

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Sterling Metals Private Limited*

Ahmedabad, the 26th June 1973

No. 988/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Sterling Metals Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. Y. RANE
Registrar of Companies,
Gujarat

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Podar Gates Rubber Industries Limited*

Jaipur, the 27th June 1973

No. Stat/560/4018.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Podar Gates Rubber Industries Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. S. MATHUR
Registrar of Companies,
Rajasthan, Jaipur

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Jankidas Private Limited*

Chandigarh, the 28th June 1973

No. G/Stat/560/1611/73.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Jankidas Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

R. P. KHANDPUR
Registrar of Companies
Punjab, H.P. and Chandigarh

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 30th June 1973

No. CHD/25/72-73.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Booth No. 2, Sector 15-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Chandigarh in January 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Lajwant Kaur, w/o Brig. Hardit Singh, 65, Sector 11-A, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Surjit Singh, s/o Shri Balwant Singh, 9-M/15, Sector 24-D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Booth No. 2, Sector 15-C, Chandigarh.

G. P. SINGH

*Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range)
Chandigarh*

Date : 30-6-1973

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 30th June 1973

No. CHID/26/72-73.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. SCO-73, Sector 30, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Chandigarh in January, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pritam Singh, s/o Shri Pala Singh, Prop. Surjit Industries, 118-Industrial Area, Chandigarh. (Transferor).
- (2) Shri Attar Singh, s/o Shri Mangal Ram, Village Mirzapur, District Patiala. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCO-73, Sector 30, Chandigarh.

G. P. SINGH

*Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range)
Chandigarh*

Date : 30-6-1973

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 30th June 1973

No. CHD/29/72-73.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 258-Industrial Area, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh in January, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms

of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri (i) Som Nath, s/o Shri Chajju Ram, Sole Prop. M/s Shiv Ganesh Engg. Works, Manimajra, U.T. Chandigarh through his general attorney Manjit Singh, s/o S. Shiv Charan Singh of Guru Nank Auto Traders, Mani Majra, U.T. Chandigarh. (Transferor).
- (2) Smt. Kamaljeet Kaur Loomba, W/o Shri Manjit Singh, 258-Industrial Area, Chandigarh. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at 258, Industrial Area, Chandigarh.

G. P. SINGH
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range)
Chandigarh

Date : 30-6-1973

Seal : _____

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 29th June 1973

No. CHD/31/72-73.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 628, Sector 36-B, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering offi-

cer at Chandigarh in January, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sohan Lal, SCF-34, Sector 19-C, Chandigarh (Transferor).
- (2) Shri Charan Singh and (ii) Shri Swarn Singh, 1520, Sector 22-B, Chandigarh. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 628, Sector 36-B, Chandigarh.

G. P. SINGH
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range)
Chandigarh

Date : 29-6-1973

Seal : _____

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 30th June 1973

No. CHD/32/72-73.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Semi Industrial Bay Shop No.1, situated at Sector 20-C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Chandigarh in January, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) for the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harbans Lal Gupta, House No. 4151, D.C. Road, Ambala Cantt. (Transferor).
- (2) Dr. P. R. Sethi, House No. 3063, Sector 21-D, Chandigarh. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Semi Industrial Bay Shop No. 1, Sector 20-C,
Chandigarh.

G. P. SINGH
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range)
Chandigarh

Date: 30-6-1973

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 30th June 1973

No. CHD/38/72-73.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. SCF No. 80, Sector 24-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Chandigarh in January, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Jaswant Thakar, w/o Shri Paramjit Singh, Sector 23-D, Chandigarh. (Transferor).
- (2) Shri Gurbaksh Singh, s/o Shri Bishan Singh, No. 42, Sector 27A, Chandigarh. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication

of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop-cum-flat No. 80, Sector 24-C, Chandigarh.

G. P. SINGH
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range)
Chandigarh

Date: 30-6-1973

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 30th June 1973

No. CHD/37/72-73.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. SCO No. 68, Sector 30-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Chandigarh in January, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Balwant Singh Bandi, (Transferor).
(2) Shri Naranjan Singh, 1611-Aziz Ganj, Delhi. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCO-68, Sector 30-C, Chandigarh.

G. P. SINGH
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range)
Chandigarh

Date: 30-6-1973

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 30th June 1973

No. CHD/39/72-73.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 2066, Street 'H', Sector 21-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Chandigarh in January, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Jasmer Kaur, w/o Shri Nachhitar Singh, resident of 1068, Sector 15-B, Chandigarh. (Transferor).
- (2) Shri Gurdial Singh, s/o Shri Hardit Singh, resident of Dahumajra, District Ropar. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2066, Street 'H', Sector 21-C, Chandigarh.

G. P. SINGH
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range)
Chandigarh

Date: 30-6-1973
Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 29th June 1973

No. CHD/46/72-73.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing No. House No. 1589, Sector 22-B, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Chandigarh in February, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Charan Singh Bhalla, s/o Shri Suchalt Singh, resident of Chaura Bazar, Ludhiana. (Transferor).
- (2) Shri Charanjit Singh, s/o Shri Sardul Singh, resident of House No. 523, 20-A, Chandigarh. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1589, Sector 22-B, Chandigarh.

G. P. SINGH
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range)
Chandigarh

Date : 29-6-1973

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 29th June 1973

No. CHD/48/72-73.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 1367, Sector 22-B, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Chandigarh in February, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Joginder Singh, s/o Shri Ganga Singh, 412, Sector 22-A, Chandigarh. (Transferor).
- (2) Smt. Resam Rani, w/o Shri Dharamvir Kohli, Village Jamsher, District Jullundur. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1367, Sector 22-B, Chandigarh.

G. P. SINGH
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range)
Chandigarh

Date : 29-6-1973

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 30th June 1973

No. CHD/53/72-73.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot No. 565 in Sector 36-B situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Chandigarh in January, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-

said property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri (i) Mohinder Singh, (ii) Gurbachan Singh, sons of Shri Bhalla Singh, House No. 526, Sector 20-A, Chandigarh. (Transferor).
- (2) Shri Harnek Singh, s/o Shri Kartar Singh, Village Buttar, Tehsil Moga, District Faridkot. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 565 in Sector 36-B, Chandigarh.

G. P. SINGH
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range)
Chandigarh

Date : 30-6-1973

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 30th June 1973

No. CHD/54/72-73.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 10 in Sector 21-C, (R.P.W3531) situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Chandigarh in January, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such

apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Parkash Wati, wd/o Shri Partap Singh, Sachdev, J-12/71, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferor).
- (2) Shri Zorawar Singh, s/o Shri Asa Singh, Village Dadheri, P.O. Mandi Gobindgarh District Patiala. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 10 in Sector 21-C, Chandigarh.
(R. P. No. 3531)

G. P. SINGH
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range)
Chandigarh

Date : 30-6-1973

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 29th June 1973

No. CHD/61/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acqui-

sition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot No. 6, Sector 10-D situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Chandigarh in February, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri (i) Darshna Anand, s/o Shri Prem Chand, (ii) Jagdish Chander, s/o Shri Kesho Das, (iii) Santosh Kumar, s/o Shri Basti Ram, 1917, Sector 22-B, Chandigarh, (Transferor).
- (2) Shri Sat Pal, s/o Shri Jagan Nath, 317, Sector 21-A, Chandigarh, (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. 6, Sector 10-D, Chandigarh.

G. P. SINGH
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range)
Chandigarh

Date : 29-6-1973

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 29th June 1973

Ref. No. CHD/62/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. House No. 2355, Sector 24-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Chandigarh in February, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Onkar Nath, s/o Shri Raja Ram, 2355, Sector 22-C, Chandigarh, (Transferor)
- (2) Shri B. M. Mehta, s/o Shri Fateh Chand, Assistant, office of Financial Commissioner, Punjab, Chandigarh, (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expression used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House No. 2355 situated in Sector 22-C, Chandigarh.

G. P. SINGH
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range)
Chandigarh

Date : 29-6-1973
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 29th June 1973

Ref. No. LDH/163/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. B-VII-13/BVII-11/13, Chaura Bazar, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ludhiana in February, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Piara Lal, son of Shri Malha Singh, resident of Amarpura, Ludhiana. (Transferor).
- (2) Shri i. Dr. Pritam Lal, s/o Dr. Bindra Ban, ii. Smt. Shanti Devi, (Wife), Civil Lines, Ludhiana, (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. B-VII-13/B-VII-11/13, Chaura Bazar, Ludhiana.

G. P. SINGH
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range)
Chandigarh

Date : 29-6-1973
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY
(INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME
TAX ACQUISITION RANGE) NAGPUR

Nagpur, the 2nd July 1973

No. —Whereas, I, S. S. Roy, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and having area of 60,600 square feet of free-hold land out of 5.83 acres, (belonging to the Vendors) bearing Khasra No. 407/1 in Mouza Nagpur, Corporation Circle No. 4 (Maharashtra State) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 1st January 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), to the following persons, namely :—

1. (I) Shrimati Hanshabai Venkatrao Gujar; (II) Shri Teisingh Rao Venkatrao Gujar; (Transferees)
2. Sun Hind Inks & Varnishes Private Limited, Nagpur (Transferee).
3. Sun Hind Inks & Varnishes Private Limited, Nagpur. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold plot of land of 60,000 Sft. out of 5.83 acres of land (belonging to the Vendors) bearing Khasra No. 407/1 in Mouza Nagpur, Corporation Circle No. 4, Tahsil and District Nagpur standing in the name of the Vendors bounded as under :—

On South—Land belonging to the Vendors.

On North—30 feet Public road of the Nagpur Improvement Trust, Nagpur.

On West—Land belonging to the Vendors.

AND On East—30 feet Public Road of the Nagpur Improvement Trust, Nagpur.

S. S. ROY,
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Nagpur.

Nagpur, dated the 2nd July, 1973

*Strike off where not applicable.

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI CENTRAL REVENUES BUILDING, 3RD FLOOR.

New Delhi, the 6th July 1973

Ref. No. IAC(ACQ-I)/A(5)/24(109)/72-73.—Whereas I, P.K. Sharan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 493-94 Waid No. 14, situated at Bartaan Market Sadar Bazar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 31st January 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) (i) Seth Durgadas R. Moondhra S/o Seth Ram-ratanji Moondhra, (ii) Seth Brij Rattan Mohatta S/o Seth Shiv Rattan G. Mohatta and (iii) Seth Suraj Rattan R. Mohatta S/o Seth Ram Gopal C. Mohatta Trustees of Anand Kumar Mohatta Trust C/o M/s Mohatta Bros., Bartaan Market, Sadar Bazar, Delhi-6 (Transferor).

- (2) M/s Mahavir Metal Works Private Ltd., 477, Bartaan Market, Sadar Bazar, Delhi-6. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that pucca building situated in Bartaan Market Sadar Bazar, Delhi bearing Municipal Nos. 493-94, in Ward No. 14, Delhi built and bounded as under :—

: By Bartaan Market, Sadar Bazar, Delhi.

West : By property belonging to the others.
 North : By property belonging to others.
 South : By property belonging to others.

Date : 6th July 1973

Seal :

*Strike off where not applicable.

P. K. SHARAN,
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range 1, New Delhi)

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I
 CENTRAL REVENUES BUILDING, 3RD FLOOR
 NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1973

No. IAC/ACQ-I/A(7)/30(72)/72-73.—Whereas I, P. K. Sharan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 39 situated at Harijan Colony, Wazirpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 28th February 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Maharaji Devi w/o Sh. Hanuman Giri r/o 2162, Shora Kothi, Subzi Mandi, Delhi. (Transferor).
- (2) Shri Gordhan Dass S/o Sh. Tek Chand r/o 39, Harijan Colony, Wazirpur, Delhi. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the

date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single Storeyed house on plot No. 39, situated in the Abadi known as Harijan Colony, Wazirpur, Delhi constructed on a freehold plot of land measuring 210 sq. yds. and bounded as under :—

East : Plot No. 38.
 West : Plot No. 40.
 North : Road.
 South : Road.

Date : 6th July 1973

Seal :

P. K. SHARAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range 1, New Delhi

FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I
 CENTRAL REVENUES BUILDING, 3RD FLOOR.
 NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1973

No. IAC/ACQ-I/A(7)/5(17)/72-73.—Whereas I, P. K. Sharan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9, Road No. 10 (1/3rd Share) situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 17th February 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA

of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

- (1) (i) Smt Surinder Kaur wd/o S Harnam Singh 353, Krishna Gali, Faiz Road, Karol Bagh, New Delhi
(ii) Shri Indrajit Singh minor son of Late S Harnam Singh through mother and natural guardian Smt Surinder Kaur r/o 353, Krishna Gali Faiz Road, Karol Bagh, New Delhi (Transferor)
- (2) Shri Vhay Kumar Mahajan S/o Sh Tarlok Chand Mahajan, 9/10 Punjabi Bagh, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1/3rd Share of property No 9/10 Punjabi Bagh New Delhi constructed on a freehold plot of land measuring 279.55 sq yds and bounded as under —

North Service Lane
South Road No 10
East House on Plot No 7
West Plot No 11

P K SHARAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income
Tax Acquisition Range I, New Delhi

Date 6th July 1973

Seal

FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE I
CENTRAL REVENUES BUILDING, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1973

No IAC/ACQ-1/A(7)/6(18)/72-73—Whereas I, P. K. Sharan being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 9/10 (2/3rd Share) situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 17th February 1973, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

- (1) (i) Smt Charanjit Kaur w/o S Charanjit Singh; 353 Krishna Gali Faiz Road, Karol Bagh, New Delhi (ii) S Harjit Singh S/o Late S Harnam Singh r/o 353, Krishna Gali, Faiz Road, Karol Bagh, New Delhi (Transferor)
- (2) Shri Tarlok Chand Mahajan, S/o Sh Babu Ram Mahajan, 9/10, Punjabi Bag, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATIONS : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2/3rd Share of property No 9/10 Punjabi Bagh New Delhi constructed on a freehold plot of land measuring 279.55 Sq yds and bounded as under —

North Service Lane
South Road No 10
East House on Plot No 7
West House on Plot No 11

P. K. SHARAN,

Competent Authority

(Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-I New Delhi)

Date 6th July 1973.

Seal :

FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I
CENTRAL REVENUES BUILDING, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1973

No. IAS/ACQ-I/A(6)/27(88)/72-73.—Whereas I. P. K. Sharan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. K-14 situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 15th February 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt Gurbachan Kaur w/o S. Bhoor Singh, 171, Raja Garden, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Suraj Parkash Verma, S/o Sh. Khushi Ram Verma r/o K 14, Kirti Nagar, New Delhi. (Transferee).
- (3) Shri Om Parkash Verma, K-14, Kirti Nagar, New Delhi (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

10—146GI/73

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single Storeyed property bearing No. K-14, Kirti Nagar, New Delhi constructed on a plot of land measuring 150 Sq. yds. and bounded as under:—

North : Road 15' (Service Lane).
South : Road 30'
East : Plot No. K-15 (house).
West : Plot No. K-13 (house).

P. K. SHARAN,
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi).

Date 6th July 1973.

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 3rd July 1973

Ref. No. F. 174/72-73.—WHEREAS, I. K. V. RAJAN, being the competent authority under Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. — situated at Survey Nos. 223 (Part) and 224 (Part) Land measuring 3.35 acres bearing Patta No. 67 in Pozal Village Saidapet Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at J.S.R.-I, Madras on 5-2-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the Notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Jowhar Begum, 68, Harrington Road, Madras. (Transferor)
- (2) Orient Marine Products Private Ltd., Private Limited Company Bombay Mutual Building, 378, Netaji Subash Chandra Bose Road, Madras-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land with wells and buildings in Survey Nos. 223 (Part) 224(Part) measuring 3.35 acres bearing Patta No. 67 situated in Pozal Village, Saidapet Taluk, Chingleput District.

Date : 3rd July, 1973

Seal :

*(Strike off where not applicable)

K. V. RAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range-1,
Madras-6.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 3rd July 1973

Ref. No. F. 175/72-73.—WHEREAS, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under Sec 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Land situated at Pozal Village, Saidapet Taluk measuring 4.15 acres in Survey No. 222 bearing Patta No. 67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Madras on 5-2-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceeding, for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-

perty by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Jowhar Begum, 68, Harrington Road, Madras. (Transferor)

- (2) Orient Marine Products Private Ltd., Private Limited Company, Bombay Mutual Building, 378, Netaji Subash Chandra Bose Road, Madras-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land with well and building measuring 4.15 acres in Survey No. 222 bearing Patta No. 67 in Pozal Village, Saidapet Taluk, Chingleput District.

K. V. RAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range-1,
Madras-6.

Date : 3rd July, 1973.

*(Strike off where not applicable)

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 3rd July 1973

Ref. No. F. 176/72-73.—WHEREAS, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under Sec 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. — situated at Land of 3.24 acres in Survey Nos. 218(Part), 219/1 (Part) & 221 bearing Patta No. 67 in Pozal Village, Saidapet Tk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Madras on 5-2-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and

the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) S. Osman Ali Khan, 68, Harrington Road, Madras. (Transferor)
- (2) Orient Marine Products Private Ltd., Private Limited Company, Bombay Mutual Building, 378, Netaji Subash Chandra Bose Road, Madras-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land of 3.24 acres in Survey Nos. 218(Part), 219/1 (Part) & 221 bearing Patta No. 67 in Pozal Village, Saidapet Taluk, Chingleput District.

K. V. RAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range-1,
Madras-6.

Date : 3rd July, 1973.

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6. the 3rd July 1973

Ref. No. F. 177/72-73.—WHEREAS, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under Sec 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. situated at Survey No. 220 (Part) measuring 4.42 acres bearing patta No. 67 in Pozal Village, Saidapet Taluk Chingleput Dt (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Madras on 5-2-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) S. Osman Ali Khan, 68, Harrington Road, Madras. (Transferor)
- (2) Orient Marine Products Private Ltd., Private Limited Company, Bombay Mutual Building, 378, Netaji Subash Chandra Bose Road, Madras-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph

shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land with well and building in Survey No. 220 (Part) measuring 4.42 acres bearing Patta No. 67 in Pozal Village, Saidapet Taluk, Chingleput District,

K. V. RAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range-1,
Madras-6.

Date : 3rd July, 1973.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-11,
CALCUTTA

Calcutta, the 2nd July 1973

Ref. No. Ac-10/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I, M. N. Tiwary, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19, situated at Belvedere Road, Alipore, Dist. 24-Parganas (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Registrar of Assurances, 5, Government Place North, Calcutta on 29-1-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the object of:—

respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) M/s. Jaipur Investment Co. Ltd. 31, Netaji Subhas Road, Calcutta. (Transferor)

(2) Shri Keshav Prasad Goenka 19, Belvedere Road, Calcutta-27 (Transferee)

“(3) (i) M/s. Duncan Brothers & Co. Ltd.; (ii) M/s. Birpara Tea Co. Ltd. and (iii) M/s. Anglo India Jute Mills Co. Ltd. (all of 31, Netaji Subhas Road, Calcutta). (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 19, Belvedere Road, Alipore, Calcutta Dist. 24-Parganas consisting of a three storeyed house and 3 Bighas and 2 Cottahs land on which it is situated.

M. N. TIWARY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range-II,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1

Date : 2-7-73.

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-11,
CALCUTTA

Calcutta, the 2nd July 1973

Ref. No. Ac-11/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I, M. N. Tiwary, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23, situated at Raja Santosh Road, Alipur, Dist. 24-Parganas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Registrar of Assurances, 5, Government Place North, Calcutta on 11-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value

of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. B. P. Agarwalla & Sons (Pvt.) Ltd. 5, Synagogue Street, Calcutta. (Transferor)
- (2) M/s. Borgan Tea Co. (Pvt.) Ltd. 2, Ganesh Chandra Avenue, Calcutta-13. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 23, Raja Santosh Road, Alipur, Calcutta, Dist. 24-Parganas consisting of 2 Bighas 13 Cottahs 10 Chatacks and 10 sq. ft. land with a double storeyed house, out houses, garage etc.

Date: 2-7-73.

Seal:

*(Strike off where not applicable)

M. N. TIWARY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range-II,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

Calcutta, the 3rd July 1973

Ref. No. Ac-12/R-11/Cal/73-74.—Whereas, I, M. N. Tiwary, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 24/N (Western portion) situated at New Alipore, Calcutta, Block 'B' (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Registrar of Assurance, 5, Government Place North, Calcutta on 9-2-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Parul Champa Saha 248, S. N. Roy Road, Calcutta (Transferor)
- (2) M/s. Hindusthan Building Society Ltd. 4, Chittaranjan Avenue, Calcutta-13. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 Cottahs land in plot No. 24/N, Western portion situated in Block 'B' New Alipore, Calcutta.

Date : 3-7-73.

Seal :

*(Strike off where not applicable)

M. N. TIWARY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range-II,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I
CALCUTTA

Calcutta, the 3rd July 1973

Ref. No. Ac-13/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I, M. N. Tiwary, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 902 situated at 17/1C, Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Registrar of Assurances, 5, Government Place North, Calcutta on 1-2-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Ownership offices and Flats Ltd., 17/1C, Alipore Road, Calcutta-27. ((Transferor)
- (2) Shrimati Kanika Roy, Flat No. 902, 17/1C, Alipore Road, Calcutta-27. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this

notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Flat having more or less 1700 sq. ft. area being No. 902 at No. 17/1C, Alipore Road, Calcutta.

Date : 3-7-1973.

Seal :

*(Strike off where not applicable)

M. N. TIWARY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range-II,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 28th June 1973

Ref. No. Sub-Reg/Khandwa/31-3-73.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 12 Ward No. 2 Ranjit Ward House No. 14 situated at Khandwa, Teh. Khandwa, Distt. East Nimar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Khandwa on 27-3-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Lt. Col. N. J. Kapadia Mahabokhtar 6 Gydney Park (Salisbhuiy Park) Poona-1. (Transferor)
- (2) Shrimati Deoki Bai W/o Shri Kanhaiya Lal C/o M/s. Hiralal Balbisa Burhanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land together with the building and structure standing there on admeasuring 33104 Sq Ft—plot bearing No. 12 Block No. 67 being a portion of the bigger Govt. plot No. 12 situated in ward No 2 Ranji ward house No. 14 of Khandwa Town

Date : 28-6-73

Seal :

*Strike off where not applicable.

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Bhopal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 28th June 1973

Ref. No Sub-Reg/Bhopal.—Whereas, I V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Three storeyed building situated at 151 Berasiya road Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

registering officer at Bhopal on 1-1-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Himatram S/o Shri Tharumal Keshwani C/o Bhai Samanaram & Sons Ghoda Nakas Bhopal. (Transferor)
- (2) Shri Gopichand and Shri Virumal C/o M/s. Sumarmal Gopichand Near Union Bank Jhumerati Bhopal (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATIONS :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storeyed Building situated at 151 Berasiya Road Bhopal.

Date : 28-6-73

Seal :

*Strike off where not applicable.

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Bhopal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd July 1973

Ref. No. Sub-Reg/Gwalior/31-1-73.—Whereas, I. V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of House No. 12/93 situated at Manili Vilas Gandhi & Jhansi Road Lashkar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gwalior on 25-1-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Vishwanath S/o Shri Dwarka Prasad Koshal R/o Vill. Engha Post Nunshahi Falon, U.P. (Transferor)
- (2) Shrimati Baikunthibai W/o Jodharam Brahman R/o Water Works Road, Bhind. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portions of House No. 12/93 Manik Vilas Gandhi & Jhanshi Road, Lashkar, Gwalior.

Date : 3-7-73

Seal :

*Strike off where not applicable.

V. K. SINHA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Bhopal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th July 1973

Ref. No. Sub-Reg/Gwalior/31-1-73.—Whereas, I. V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30/532 admeasuring 868 sq. ft. situated at Patankar Bazar, Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gwalior on 25-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Baboolal S/o Mahadeo Prasad Goyal; 2. Shrimati Mewabai W/o Late Shri Mahadeoprasad. 3. Shri Radharaman Baboolal—Minor; 4. Shri Radhakrishnan S/o Baboolal Minor; 5. Shri Radheshvam S/o Baboolal, Patankar Bazar, Lashkar, Gwalior, (Transferor)
- (2) Shri Ramswaroop S/o Ganeshram Agrawal, Ganesh Building, Dal Bazar (Transferee)

- (3) Shri Baboolal S/o Mahadeoprasad; Shri Ram-swaroop S/o Kishanlal Vaishya; Shri Premnarayan S/o Radhakrishnan Brahman; Shri Pratap Narain S/o Sugnam Sindhi, (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 30/532 admeasuring 868 Sq. ft. situated at Patankar Bazar, Lashkar, Gwalior.

Date : 4-7-1973.

Seal :

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Bhopal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROOM NO.
10, I FLOOR, N.T.R. ESTATE, J. N. ROAD,
HYDERABAD (500001)

No. R.A.C. No. 19/73-74—Whereas, I. S. BALASUBRAMANIAM, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16-3-4, 4 & 4/1, situated at Chaderghat, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Azampura, Hyderabad, on 6-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under

11—146GI/73

the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Devsi, S/o Ratanshi, Azampura, Hyderabad, (Transferor)
- (2) Shri Keshava Patel S/o J. Patel, H. No. 16-6-3, 4, 4/1; Somji Bhai, Dhanji Bhai, S/o Nanji Bhai; Ramji Bhai S/o Keshava Patel, Chaderghat, Hyderabad, (Transferee)
- *(3) Shri Devsi S/o Ratanshi, (Transferor) (Person in occupation of the property).
- *(4) M/s. Ashok Trading Co., H. No. 16-6-3, 4, 41/1, Chaderghat, Hyderabad. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Nos. 16-6-3, 4 & 4/1, comprising of a Mulgi, two rooms, bath room lavatory and Zinc sheds & appurtenant land measuring 1055 Sq Mts. at Chaderghat, Hyderabad.

Date : 2-7-1973.

Seal :

S. BALASUBRAMANIAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ROOM NO. 9, I FLOOR, NTR ESTATE, J. N. ROAD, HYDRABAD (500001), DT.

Hyderabad (500001), 2nd July 1973

Ref. No. RAC No. 20/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 4-1-938, 'Baitul Aman' situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on 3rd January 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt K. Narasamma, W/o K. Shankar Reddy, Fden Bagh Hyderabad (Transferor).
- (2) M/s. Three Aces, Partnership Firm, Abid Road, Hyderabad, Partners: (1) Sri Bhishanlal, (2) Mrs. Gian Kumari, (3) Mrs. Darshan Kumari, (4) Miss Shashi Rani, (5) Mrs. Hannam Kumari (Transferee).
- (3) Posts & Telegraph Department, Hyderabad (Person in occupation of the property).
- *(4) M/s. Three Aces Firm, Partners (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the

date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. 4-1-938 admeasuring about 3705 Sq. Yds., known as 'Baitul Aman', Tilak Road, Hyderabad. Bounded on:

North: Three Acres belonging to Vendee.
South: Main Road (Tilak Road).
East: Neighbour's property.
West: Neighbour's property.

Date: 2nd July 1973.

Seal

S. BALASUBRAMANIAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ROOM NO. 10, I FLOOR, NTR ESTATE, J. N. ROAD, HYDRABAD (500001), DT.

Hyderabad, (500001), the 2nd July 1973

No. RAC No. 21/73-74.—Whereas, I S. Balasubramaniam, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of the house situated at King Kothi Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on 18th January 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

- (1) Shrimati Hashmathunnisa Begum W/o Mir Hussain Ali Khan H No 6-3-569 Somajiguda Hyderabad (Transferor)
- (2) Shrimati Syeda Sabiha W/o Sri Gulam Mohiuddin, H No 3 5-784/9, King Kothi, Hyderabad (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property must be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any of other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Portion of the house property standing on the plot of land admeasuring 947 Sq yards

North Road
South Road
East Property of HHH the Nizam
West House of Sultan Jehan w/o Rahuddin Siddique

Date 2nd July 1973
Seal

S BALASUBRAMANIAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,
ROOM NO 10 1 FLOOR NTR ESIATE J N ROAD
HYDERABAD (500001)

Hyderabad (500001) the 2nd July 1973

No RAC No 22/73-74—Whereas I, S. Balasubramaniam being the competent authority under section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No B-17 599 situated at 'Sri Venkata Sadan' Abid Road, Hyderabad (and more truly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on 18th January 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons namely—

- (1) (i) Sri N. Srinivas Iyengar, Advocate 185 Chapel Road Hyderabad (ii) Smt Kamalammal W/o N. Narasimha Iyengar, Somajiguda Hyderabad (iii) Smt Sundara Ramraj, W/o N. Ramraj Iyengar, and (iv) Sri R. Venkatadri S/o N. Ramraj Iyengar, C/o M. S. Ramaswamy Iyengar, Bank Street, Hyderabad (Transferor)
- (2) Sri R. Babu Rao S/o H. R. S. Tulja Bai W/o Babu Rao B 17 599 'Sri Venkata Sadan' Abid Road Hyderabad (Transferee)
- (3) 1 Sri Srinivas Iyengar 2 Smt Kamalammal (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

H No B-17 599, Sri Venkata Sadan Abid Road Hyderabad Total area—2744 Sq Yds

Date 2nd July 1973
Seal

'Strike off where not applicable

S BALASUBRAMANIAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ROOM NO. 10, 1 FLOOR, NTR ESTATE, J. N. ROAD, HYDERABAD (500001), DT.

Hyderabad (500001), the 2nd July 1973

No. RAC No. 23/73-74.—Whereas, I S. Balasubramaniam, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-372, situated at Himayathnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on 20th January 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) for the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Mahibunnissa Begum D/o Sri Syed Quddus Hussain H. No. 3-6-372, Himayathnagar, Hyderabad. (Transferor)
- (2) (1) Shrimati Susheela Devi Singhi, (2) Smt. Vimala Devi Singhi, (3) Smt. Sampath Devi Singhi, 2nd Street, H. No. 3-6-372, Himayathnagar Hyderabad (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice

thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area 1181=52 S. Yds. H. No. 3-6-372, 2nd Street, Himayathnagar, Hyderabad.

Date: 2nd July 1973.

Seal

*Strike off where not applicable

S. BALASUBRAMANIAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ROOM NO. 10, 1 FLOOR, NTR ESTATE, J. N. ROAD, HYDERABAD (500001), DT.

Hyderabad (500001), the 2nd July 1973

No. RAC No. 24/73-74.—Whereas, I S. Balasubramaniam, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-3-863, Portion-B, situated at Ameerpet Road, Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Khairatabad on 10th January 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Akhther Zama Banu W/o Sri M. A. Subhan, Portion-B, 6-3-863, Ameerpet Road, Begumpet, Hyderabad (Transferor).
- (2) Shrimati Lalita Devi, Alias Padmavati Devi, W/o Sri C. Ramachander, H. No. 1-9-216, Ramnagar, Hyderabad. (Transferee).

- (3) Shrimati Akhther Zama Banu W/o Sri M. A. Subhan, (Person in occupation of the property) (Transferor).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATIONS : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 6-3-863, Portion-B, Ameerpet Road, Begumpet, Hyderabad, admeasuring 778 Sq. yds.

Date : 2nd July 1973.

Seal

*Strike off where not applicable

S. BALASUBRAMANIAM,

Competent Authority

*Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.*

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ROOM NO. 10, I FLOOR, NTR ESTATE, J. N. ROAD, HYDERABAD (500001). DT.

Hyderabad (500001), the 2nd July 1973

No. RAC No. 25/73-74.—Whereas, I S. Balasubramaniam, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-7-669, situated at Gandhigunj, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nizamabad on 31st January 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dadabhai S/o Zumarbhai, Business, R/o Lincally, Nizamabad. (Transferor)
- (2) Shri 1. Labhishetty Kishtiah S/o Labhishetty Gangiah, 2. Labhishetty Gangiahgari Kishtiah Gupta S/o Labhishetty Gangiah, Nizamabad. (Transferee).
- (3) Shri Labhishetty Kishtiah & Labhishetty Gangiahgari Gupta, (Person in occupation of the property) (Transferees).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATIONS : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi No. 7-7-669, Gandhigunj, Nizamabad.

North : Gunj area.

South : Municipal Main Road.

East : Mulgi of Sri Ganga Reddy.

West : Mulgi of Ramkishan Rao.

Date : 2nd July 1973.

Seal :

*Strike off where not applicable.

S. BALASUBRAMANIAM,

Competent Authority

*Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.*

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

Advertisement No. 28

Applications are invited for undermentioned posts. Age as on 1-1-1973 must be within the prescribed age limits but is relaxable for Government servants except where otherwise specified. Upper age limit relaxable upto 45 years for certain categories of displaced persons from erstwhile East Pakistan, repatriates from Burma and Sri Lanka and for persons who migrated from East African countries of Kenya, Uganda and United Republic of Tanzania. Upper age limit relaxable by 5 years for Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates. No relaxation for others save in exceptional circumstances and in no case beyond a limit of three years. Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise wellqualified. Higher initial pay may be granted to specially qualified and experienced candidates except where otherwise specified.

Particulars and application forms obtainable from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011. Requests for forms

must specify name of post, Advertisement number and item number and should be accompanied by self-addressed unstamped envelopes for each post at least of size 23×10 cms., indicating thereon name of post for which forms are required. Commission may remit fee in the case of genuinely indigent and *bona fide* displaced persons from erstwhile East Pakistan who migrated on or after 1-1-1964 but before 25-3-1971 and to repatriates from Burma and Sri Lanka who migrated on or after 1st June, 1963 and 1st November, 1964 respectively. Separate application with separate fee required for each post. Candidates abroad may apply on plain paper if forms are not available and deposit fee with local Indian Embassy. If required, candidates must appear for personal interview. Closing date for receipt of applications with crossed INDIAN POSTAL ORDER for Rs. 8.00 (Rs. 2.00 for Scheduled Castes and Scheduled Tribes) 13th August, 1973 (27th August, 1973 for applicants from abroad and for those in the Andaman and Nicobar, Laccadive, Minicoy and Amindivi Islands). Treasury receipts not acceptable.

Post at S. No. 18 and 2 posts at S. No. 16 permanent. Posts at S. No. 4, 11 and 12 permanent but appointment on temporary basis. 5 posts at S. No. 16 temporary but likely to become permanent. Posts at S. No. 1, 5 to 10, 13, 15, 17, 24 and 25 temporary but likely to continue indefinitely. Posts at S. Nos. 19, 20, 21 and 23 temporary but likely to continue. Posts at S. Nos. 2, 3, 14 and 22 temporary.

One post at S. No. 12 reserved for Scheduled Castes candidates. One post at S. No. 3 and 2 posts at S. No. 15 reserved for Scheduled Castes candidates. Two posts at S. No. 15 reserved for Scheduled Tribes candidates. These posts are to be treated as unreserved if no suitable Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates are available.

One permanent post at S. No. 16 and post at S. No. 21 reserved for Scheduled Castes candidates failing which reserved for Scheduled Tribes candidates and failing both to be treated as unreserved. One permanent post at S. No. 16, one post at S. No. 20 and post at S. No. 18 reserved for Scheduled Tribes candidates failing which reserved for Scheduled Castes candidates and failing both to be treated as unreserved. Two posts at S. No. 13 and posts at S. Nos. 2 and 14 reserved for Scheduled Castes candidates who alone need apply. One post each at S. Nos. 15 and 17 and post at S. No. 10 reserved for Scheduled Tribes candidates, who alone need apply.

One post at S. No. 3 reserved for Emergency Commissioned/Short Service Commissioned Officers belonging to general category, one post at S. No. 20 and post at S. No. 19 reserved for Emergency Commissioned/Short Service Commissioned Officers belonging to Scheduled Castes category, who were commissioned in the Armed Forces on or after 1-11-62 but before 10-1-68 or who had joined any pre-Commission training before the latter date, but who were commissioned after that date and are released invalided owing to disability attributable to Military Service/due to be released; if available; otherwise to be treated as reserved for general candidates belonging to the category of ECOs/SSCOs, failing which, to be treated as unreserved.

1. *One Director (Grade II), Food Industry, Small Scale Industries Development Organisation.* Pay.—Rs. 1100—50—1400. Age Limit.—45 years. Qualifications.—Essential.—(i) A Second Class Degree in Food Technology/Chemical Engineering from a recognised University/Institution or equivalent. (ii) About ten years experience in a responsible position in a technical organisation or industrial concern of repute dealing with (1) Food products (2) Bakeries (3) Confectionaries (4) Milk products (5) Fruit and vegetable preserves (6) Fish and Meat preserves (7) Edible oils (8) Cattle and poultry feeds (9) Packaging involved in all these industries.

2. *One Deputy Director (Mechanical), Small Scale Industries Organisation, Ministry of Industrial Development.* Pay.—Rs. 700—40—1100—50/2—1250. Age Limit.—45 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree in Mechanical Engineering from a recognised University/Institution or equivalent. (ii) About 5 years' experience in a responsible capacity in a technical Organisation or industrial concern of repute in production of light engineering stores. (iii) Should be thoroughly familiar with the latest technique of production and use of modern machinery, equipment and tools, as applied to the above trade.

3. *Six Executive Engineers (Civil), Ministry of Information and Broadcasting.* Pay.—Rs. 700—40—1100—50/2—1250. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree in Civil Engineering from a recognised University or equivalent. (ii) About 8 years' experience as Civil Engineer in Class I and Class II posts or posts carrying equivalent responsibilities.

4. *One Marine Engineer, Marine Department, Andaman and Nicobar Administration.* Pay.—Rs. 700—40—1100—50/2—1250. Age Limit.—45 years. Qualifications.—Essential.—(i) At least Second Class B.O.T. (Engineer)'s Certificate of Competency. (ii) About 5 years' practical experience in a ship building and ship repair workshop or an equivalent experience on a foreign going ship.

5. *One Lecturer (Refrigeration and Air-Conditioning), G.B. Pant Polytechnic, Okhla, Directorate of Technical Education, Delhi Administration, Delhi.* Pay.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Age Limit.—40 years. Qualifications.—Essential.—Master's degree in Mechanical/Electrical Engineering with specialisation in Refrigeration and Air Conditioning from a recognised University or equivalent, OR Degree in Mechanical/Electrical Engineering from a recognised University or equivalent plus about one year's professional experience in air conditioning and refrigeration.

6. *Two Deputy Senior Marketing Development Officers (Cold Storage Refrigeration), Directorate of Marketing and Inspection, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture).* Pay.—Rs. 590—30—830—35—900. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree in Mechanical Engineering or Electrical Engineering from a recognised University or equivalent. (ii) About 3 years' experience in a responsible capacity in installation and maintenance of refrigeration plants or ice and cold storage plants of industrial types.

7. *Four Marketing Development Officers (Cold Storage Refrigeration), Directorate of Marketing and Inspection, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture).* Pay.—Rs. 350—25—500—EB—30—800—EB—30—830—35—900. Age Limit.—30 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree in Mechanical or Electrical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) About 2 years experience in a responsible capacity in installation, maintenance of refrigeration plants or ice and cold storage plants of industrial type.

8. *One Deputy Director (Non-Technical), Office of the Textile Commissioner, Bombay, Ministry of Commerce.* Pay.—Rs. 700—40—1100—50/2—1250. Age Limit.—45 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree of a recognised University or equivalent. (ii) About 10 years' experience in a responsible capacity or work connected with Handloom or Textile Industry or Commerce or Industry in general together with Secretarial/Organisational/Administrative experience.

9. *One Senior Scientific Officer Grade II, Defence Research & Development Establishment, Gwalior, Research & Development Organisation, Ministry of Defence.* Pay.—Rs. 400—40—800—50—950. Age.—Preferably below 30 years. Qualifications.—Essential.—(i) Second Class Master's Degree in Microbiology/Botany with specialisation in Microbiology. (ii) About two years' research experience in Medical Bacteriology/Virology as evidence by published papers.

10. *One Chemist, Indian Bureau of Mines, Ministry of Steel and Mines (Department of Mines).* Pay.—Rs. 400—40—800—50—950. Age Limit.—40 years. Qualifications.—Essential.—(i) Master's degree in Chemistry with specialisation in analytical or Inorganic Chemistry from a recognised University/Institution or equivalent. (ii) About 3 years experience in analysis of ores and minerals in laboratory of repute.

11. *One Assistant Director (Emergency Relief), National Civil Defence College, Nagpur, Ministry of Home Affairs.* Pay.—Rs. 620—30—830—35—900. Age Limit.—45 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree of a recognised University, preferably in Science, may be relaxed in case of officers of the Defence Services. (ii) Qualified at the Emergency Relief Officers or equivalent Courses are the Central Emergency Relief Training Institute or similar Institutes recognised by the Government of India and about two years experience as an Emergency Relief Officer or Instructor in Emergency Relief. OR (iii) At least four years' service in the Defence Services as a Commissioned Officer.

12. *Two Technical Officers (Dairy Development) (One Firm and One Anticipated)*, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture). Pay.—Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree/Diploma in Dairying of a recognised University/Institute. (ii) About 2 years (3 years for diploma holders) practical experience of dairying, including experience of production, handling and marketing of milk and milk products.

13. *One Junior Scientific Officer, Defence Research & Development Establishment, Gwalior, Research & Development Organisation, Ministry of Defence*. Pay.—Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. Age.—Preferably below 30 years. Qualifications.—Essential.—Second Class Master's Degree in Physiology with specialisation in Biochemistry/Nutrition/Hormones.

14. *One Editor (English)*, Ministry of Health and Family Planning, Department of Family Planning. Pay.—Rs. 700—40—1100—50/2—1250. Age Limit.—45 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree of a recognised University or equivalent. (ii) About 5 years' experience in Journalistic/editorial work in English under Government or in a newspaper/news agency or publicity organisation of standing. (iii) Experience of writing on technical subjects.

15. *Seven Principals (Female)*, Government Higher Secondary Schools, Directorate of Education, Delhi, Delhi Administration. Pay.—Rs. 700—40—980—EB—40—1100. Age Limit.—45 years. Qualifications.—Essential.—(i) Master's or equivalent Honours degree of a recognised University. (ii) Degree/Diploma in Teaching/Education. (iii) About 3 years experience of administrative charge of an Inter College or about 5 years experience of administrative charge of High School or about 8 years teaching experience in a recognised High School or about 3 years experience of Educational Administration with about two years teaching experience in High or Higher Secondary School or in a Teachers' Training Institute or about 5 years teaching experience in a recognised Higher Secondary School or at an Institute for Training of Teachers.

16. *Seven Dental Surgeons*, Municipal Corporation of Delhi. Pay.—Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. Age Limit.—30 years. Relaxable for Government servants and employees of the Municipal Corporation of Delhi. Qualifications.—Essential.—(i) A qualification included in Part I or Part II of the Schedule to the Dentists Act, 1948. (ii) About 3 years' experience of dental work in a hospital or in private practice. (iii) Should be registered with a Dental Council.

17. *Three Lecturers Commercial Practice*, Directorate of Technical Education, New Delhi, Institute of Commercial Practice Delhi Administration, Delhi. Pay.—Rs. 400—450—450—30—600—35—670—EB—35—950. Age Limit.—40 years. Qualifications.—Essential.—(i) At least Second Class Master's degree in Commerce of a recognised University or equivalent. (ii) About 2 years professional or teaching experience.

18. *One Archivist (Oriental Records)*, National Archives of India. Pay.—Rs. 400—25—500—30—590—EB—30—800. Age Limit.—30 years. Qualifications.—Essential.—(i) Second Class Master's degree in Modern Indian History of a recognised University or equivalent (ii) Adequate knowledge of Persian Shikastah script.

19. *One Archivist (General)*, National Archives of India. Pay.—Rs. 400—25—500—30—590—EB—30—800. Age

Limit.—30 years. Qualifications.—Essential.—(i) Second Class Master's Degree in Modern Indian History of a recognised University or equivalent. (ii) About 2 years' experience of research or teaching in Modern History and/or teaching of Modern History to University classes or about 2 years' experience of work in a Government Records Office.

20. *Two Assistant Archivists (Grade I) (General)*, National Archives of India. Pay.—Rs. 325—15—475—EB—20—575. Age Limit.—30 years. Qualifications.—Essential.—(i) Master's Degree in Modern Indian History of a recognised University or equivalent. (ii) Experience of research and/or teaching in a College or University.

21. *One Assistant Archivist Grade I (Oriental Records)*, National Archives of India. Pay.—Rs. 325—15—475—EB—20—575. Age Limit.—30 years. Qualifications.—Essential.—(i) Master's Degree in Modern Indian History of a recognised University or equivalent. (ii) Adequate knowledge of Persian Shikastah Script.

22. *One Superintendent after care home for boys*, Directorate of Social Welfare, Delhi Administration, Delhi. Pay.—Rs. 325—15—475—EB—20—575. Age Limit.—40 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree of a recognised University or equivalent in a social science subject, e.g. Sociology, Economics, Anthropology etc. (ii) About 3 years experience in Social Work in a responsible capacity preferably in a social Welfare Institution recognised by Government.

23. *One Dietician*, Willingdon Hospital, New Delhi, Directorate General of Health Services. Pay.—Rs. 390—20—450—25—575. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—(i) At least Second Class Degree in Home Economics or Home Science with nutrition as speciality from a recognised University. (ii) Post-graduate training and experience for about two years in Dietetics Department of a hospital.

24. *One Research Assistant*, Department of Personnel and Administrative Reforms. Pay.—Rs. 325—15—475—EB—20—575. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—(i) A Second Class degree of a recognised University with Mathematics/Economics/Statistics as a subject and 2 years post-graduate diploma in statistics from a recognised Institution or equivalent. (ii) About 2 years experience in collection compilation and interpretation of statistical data.

25. *One Assistant Programmer*, Delhi Administration, Delhi. Pay.—Rs. 325—15—475—EB—20—575. Age Limit.—30 years. Qualifications.—Essential.—(i) Master's degree in Statistics or Mathematics/Operational Research/Economics/Business Administration/Commerce (with a paper in Statistics) of a recognised University or equivalent. Or Degree of a recognised University with Mathematics or Statistics or Economics or Commerce or Business Administration or Operational Research as a subject, plus a recognised diploma obtained after at least 2 years post-graduate training in Statistics. (ii) About 2 years experience of Statistical work involving collection, compilation and interpretation of statistical data including one year experience in electronic data processing.

D. R. KOHLI

Under Secretary,
Union Public Service Commission.

